Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 06 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 12 जून 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा की विजय हिंसा की समाप्ति से है।

Victory of nonviolence is extinction of violence.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ को जीएसटी की 4761.30 करोड़ की राशि हस्तांतरित की

रायपुर (विसं)। केंद्रीय वित मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ को वित्तीय वर्ष 2024-25 की जीएसटी की राशि 4761.30 करोड़ रूपए हस्तांतरित की गई है। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर पोस्ट करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर लिखा है कि केंद्रीय वित मंत्रालय से जीएसटी की मिली राशि का उपयोग प्रदेशवासियों के हित और यहां के विकास कार्यों के लिए किया जाएगा।

डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में बैठक सम्पन्न

रायपुर (विसं)। छग विधानसभा परिसर में अहम बैठक हुई है। जानकारी के मुताबिक विधानसभा परिसर में भारत रत्न स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय राजनांदगांव की समीक्षा बैठक विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में हुई। गृहमंत्री शर्मा ने कहा, इस महत्वपूर्ण बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की गई और आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। हम सभी का उद्देश्य है कि यह महाविद्यालय चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करे।

घटना के बाद बलौदाबाजार शहर में लगा धारा 144, पुलिस चौकस, मुख्यमंत्री साय भी जमाए हैं नजर

बाबा गुरू घासीदास ने दिखाया शांति और सद्भाव का मार्ग : मुख्यमंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलौदाबाजार जिले की घटना के संबंध में सतनामी समाज के प्रमुखों से कहा है कि बाबा गुरू घासीदास का संदेश समाज में शांति और सद्भाव का रहा है। आप सबकी भी जिम्मेदारी है कि समाज भ्रमित न हो और शांति स्थापित करने की दिशा में साथ मिलकर आगे बढ़े। सतनामी समाज प्रमुखों ने कहा कि समाज के सभी लोग घटना से आहत हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने प्रदर्शन के दौरान हिंसा और तोड़फोड़ की कार्रवाई की है, वे असामाजिक तत्व थे और हमारे प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं थे। शांति और सौहार्द्र स्थापित करने के लिए हम सब दृढ़संकल्पित है।

गौरतलब है कि सतनामी समाज के राज्यभर से आए प्रतिनिधि मण्डल ने मुख्यमंत्री श्री साय से आज यहां उनके निवास कार्यालय में मुलाकात की और बलौदाबाजार जिले में हुई घटना के संबंध में शांति और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण चर्चा की और एक बार फिर शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प दोहराया।

बलौदाबाजार (आरएनएस)। जिले में सोमवार को उपद्रवियों ने जमकर उत्पात मचाते हुए कलेक्टर और एसपी कार्यालय को जलाकर राख कर दिया था. घटना के बाद से शहर में धारा 144 लागू कर दिया गया है. वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी इस पर नजर बनाए हुए हैं. उन्होंने देर शाम डीजीपी और सीएस को तालाब कर मामले की जानकारी ली थी और आईजी को मौके पर पहुंचने का निर्देश दिए थे. वहीं आज मुख्यमंत्री ने अपना जशपुर जिले का दौरा कार्यक्रम रद्द कर दिया और बलौदाबाजार मामले में सीएम हाउस में हाईलेवल की बैठक बुलाई है. बैठक में डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव समेत सतनामी समाज के प्रमुख पदाधिकारी मौजूद हैं। बता दें कि बलौदाबाजार हिंसक प्रदर्शन के बीच देर रात 1 बजे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा, राजस्व मंत्री टंकराराम वर्मा, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल समेत जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर ऑफिस पहुंचकर पूरे घटनाक्रम का अवलोकन किया और जानकारी ली. इस दौरान तीनों मंत्रियों ने घटना की निंदा की. वहीं गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि घटना की पूरी जांच होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बलौदाबाजार प्रदर्शन मामले में 200 लोगों की गिरफ्तारी : बलौदाबाजार में सतनामी समाज के हिंसक प्रदर्शन के बाद पुलिस ने मंगलवार को 7 अलग-अलग एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में अब तक 200 आरोपियों को गिरफ्तार हो चुकी है। उपद्रवियों की तलाश के लिए पुलिस की 12 टीमें बनाई गई हैं। सीसीटीवी फुटेज के जरिए टीमें अलग-अलग जिलों में भेजी गई हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पूरी घटना को लेकर काफी नाराज हैं। मंगलवार को मीटिंग में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि इतनी बड़ी घटना हो गई आप लोगों तक जानकारी कैसे नहीं पहुंची।

मुख्यमंत्री साय ने संदीप खलको के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बलौदाबाजार हिंसा में घायल पुलिस जवान संदीप खलको के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्री खलको के बेहतर इलाज के लिए यहां अपोलो अस्पताल में भर्ती किया गया है। आईजी श्री संजीव शुक्ला, कलेक्टर अवनीश शरण व एसपी रजनीश सिंह ने अस्पताल का दौरा कर श्री खलको की कुशलक्षेम पूछी। श्री खलको की हालत ठीक है। उन्होंने अधिकारियों से बातचीत करते हुए घटना के बारे में बताया। आइजी और कलेक्टर एसपी ने इलाज कर रहे डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन से भी चर्चा की और बेहतर से बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। डॉक्टरों ने बताया की घटना में श्री खलको के जबड़े और आंख में चोट लगी है। उन्हें भर्ती कर जांच और इलाज शुरू कर दिया गया है। बाकी उनका स्वास्थ्य ठीक है। आईजी और कलेक्टर ने घायल जवान की सहायता के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी नियुक्त कर दिए हैं। अधिकारियों ने घायल जवान के परिवार जनों से भी मुलाकात कर उन्हें ढाढस बंधाया। इस अवसर पर एसडीएम पीयूष तिवारी सहित पुलिस और प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

सहकारिता मंत्रालय में नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने पर जोर रहेगा : अमित शाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए जमीनी स्तर पर नीतियों को लागू कर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प जताया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करीबी सहयोगी शाह को सोमवार को गृह मंत्री के साथ सहकारिता मंत्रालय भी आवंटित किया गया था. उनके पास पिछले कार्यकाल में भी सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार था.

वह वर्ष 2021 में सहकारिता मंत्रालय का गठन होने के बाद से ही इसका प्रभार संभाले हुए हैं. शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय पहुंचकर इसका कार्यभार संभाला और अपने मंत्रालय की प्राथमिकताओं पर रोशनी डाली. उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के लिए 100 दिन की योजना को लागू किया जाना है. शाह ने कहा, ''हमने पिछले कार्यकाल में सहकारिता क्षेत्र के विकास की नींव रखी. हम अगले पांच साल में नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे. मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल में केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में शाह ने बहु-राज्य सहकारी समिति अधिनियम में संशोधन, प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) के लिए मॉडल उपनियमों के निर्माण और निर्यात, बीज एवं जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों की स्थापना सहित प्रमुख नीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

अभिनेता पवन कल्याण को चुना गया जनसेना विधायक दल का नेता

विजयवाड़ा (आरएनएस)। फिल्मी दुनिया से राजनीति में आए पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया है। पवन कल्याण की जनसेना पार्टी ने विधानसभा में 21 और लोकसभा में 2 सीट हासिल की है। पार्टी के बढ़ते कद के बीच पवन कल्याण को जनसेना विधायक दल का नेता चुना गया है। आज सुबह मंगलगिरी स्थित पार्टी मुख्यालय में जनसेना विधायक दल की बैठक हुई। इस बैठक में तेनाली से विधायक नादेंदला मनोहर ने जनसेना विधायक दल के नेता के रूप में पवन कल्याण के नाम का प्रस्ताव रखा। इस पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इस पर मुहर लगा दी है।

लोकसभा चुनाव में जीत के बाद पहली बार राहुल रायबरेली पहुंचे, जताया जनमानस का आभार

रायबरेली में राहुल गांधी ने पीएम मोदी साधा निशाना

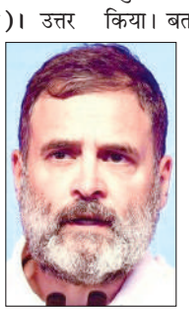

रायबरेली (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के रायबरेली और अमेठी में कांग्रेस की जीत के बाद बुधवार को राहुल गांधी रायबरेली पहुंचे।उनके साथ उनकी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी थीं। दोनों नेता रायबरेली एक पार्टी कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे।लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद दोनों नेताओं का यह पहला दौरा है। रायबरेली में पार्टी नेताओं ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का जोरदार स्वागत किया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने माला पहनाकर राहुल और प्रियंका का स्वागत किया। बता दें, राहुल गांधी ने दो लोकसभी सीटों से चुनाव लड़ा था। उन्होंने केरल की वायनाड के साथ-साथ यूपी की राय बरेली से भी चुनाव लड़ा था।राय बरेली से इससे पहले सोनिया गांधी चुनाव लड़ती रही हैं। सभा में बोलते हुए राहुल गांधी ने बीजेपी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा अयोध्या सीट हार गई। न केवल अयोध्या में, बल्कि प्रधानमंत्री ने वाराणसी में भी अपनी जान बचाई है।

अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री का कार्यभार संभाला

सरकार लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध, कैबिनेट का प्रथम निर्णय गरीबों को समर्पित : अश्विनी वैष्णव

दिल्ली (विश्व परिवार)। अश्विनी वैष्णव ने आज यहां केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री का कार्यभार संभाला। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार गरीबों के उत्थान के लिए समर्पित है। अश्विनी वैष्णव ने कल 3 करोड़ ग्रामीण एवं शहरी घरों के निर्माण के कैबिनेट के फैसले को दोहराते हुए कहा कि सरकार के पहले दिन कैबिनेट का प्रथम निर्णय गरीबों के सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार देश के लोगों की निरंतर सेवा करती रहेगी।

अश्विनी वैष्णव ने सूचना एवं प्रसारण मंत्री के रूप में सेवा करने के इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू और मंत्रालय तथा उसके तहत मीडिया इकाइयों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री वैष्णव का स्वागत किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 को योगाभ्यास के कार्यक्रम होंगे

राज्य स्तरीय कार्यक्रम रायपुर के साईंस कॉलेज मैदान में होगा

रायपुर (विसं)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 21 जून को रायपुर स्थित साईंस कॉलेज मैदान में होगा। योग दिवस पर योगाभ्यास का कार्यक्रम होगा। जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक भाग लेंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर और जनसामान्य शामिल होंगे। कार्यक्रम में स्कूलों, कॉलेजों, यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों और जन सामान्य की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुवा शामिल हुए। मुख्य सचिव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राज्य स्तरीय कार्यक्रम स्थल साईंस कॉलेज मैदान को आरक्षित करवाकर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

छत्तीसगढ़ योग आयोग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्य के विभिन्न स्तरों पर होने वाले कार्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, टी-शर्ट, ट्रेक शूट सहित अन्य व्यवस्थाओं के लिए राज्य नोडल अधिकारी, समाज कल्याण विभाग से आवश्यक समन्वय किया जाएगा। नगरीय प्रशासन तथा विकास विभाग द्वारा नगर पालिका निगम रायपुर के सहयोग से आयोजन स्थल पर पेयजल, स्वच्छता, इत्यादि की व्यवस्था की जाएगी। गृह विभाग द्वारा आयोजन स्थल में सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

देव शास्त्र गुरु के सच्चे उपासक थे प्रवीण जैन : श्रमण मुनि सुव्रत सागर जी महाराज

कोल्हापुर (विश्व परिवार)। 'दैनिक विश्व परिवार' के सदस्य प्रवीण जी ने प्रेरक यशपूर्ण जीवन जिया। धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई।

हँसमुख स्वभावी, सरल-हृदयी, गुरु भक्त, पत्रकार, चिंतक, लेखक, मिलनसार, मास्टर माइन्ड, कर्तव्यनिष्ठ, नेता, विराट्- व्यक्तित्व के धनी प्रवीण जी जन-जन को संदेश देकर चले गए कि- 'जीवन क्षण भंगुर है।'

आपकी गुरु भक्ति सराहनीय रही। भातृ प्रेम, पितृ कर्तव्य, सामाजिक एकता, राजनैतिक स्वच्छता, निष्पक्ष पत्रकारिता, शिक्षा प्रसार तीर्थ रक्षा, धर्मोत्थान, आयोजन- संयोजनादि विविध क्षेत्रों में आपने राष्ट्रीय पहचान बनाई थी।

आपके देवलोक गमन पर सम्पूर्ण समाज स्तब्ध है। आपकी उत्तम गति हो, परिवार में सुख, शांति, समृद्धि का संचार हो।

गुरु सेवा, भगवत् भक्ति का फल आपको परम- आनन्द को प्रदान करे।

सर्वेषाम् मंगलम् भवन्तु...।

संपूर्ण परिवार जन्म-मृत्यु के शाश्वत सिद्धान्त का चिंतन कर, धैर्य धारण करे। आत्मा शाश्वत है। आत्मा का न जन्म है, न मरण।

सम्पूर्ण परिवार को विशुद्धाशीष।

किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित हो : कृषि मंत्री रामविचार नेताम

कृषि मंत्री ने खेती-किसानी की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर (विश्व परिवार)। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज मंत्रालय महानदी भवन में कृषि एवं संबंधित विभागों के आला अधिकारियों की बैठक लेकर खरीफ 2024-25 की तैयारियों की गहन समीक्षा की। मंत्री श्री नेताम ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण खाद एवं प्रमाणित बीज एवं अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी डिमांड के अनुरूप खाद-बीज की आपूर्ति सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निरंतर अपने-अपने इलाको का दौरा कर खाद-बीज के भण्डारण एवं उठाव पर निगरानी रखने के साथ ही इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सैम्पलिंग और जांच पड़ताल जारी रखने के निर्देश दिए।

बैठक में कृषि उत्पादन आयुक्त श्रीमती शहला निगार ने जानकारी दी कि पिछले खरीफ विपणन वर्ष 2023 में सहकारिता क्षेत्र में समग्र रुप से 4.62 लाख क्विंटल बीज का वितरण किया गया था। चालू खरीफ वर्ष 2024 में सहकारी क्षेत्र में 5.44 लाख क्विंटल बीज मांग का आंकलन किया गया है। वर्तमान में बीज निगम के पास कुल 6.31 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध है, जो मांग का 116 प्रतिशत है। 10 जून की स्थिति में कुल 4.16 लाख क्विंटल बीज का भण्डारण विभिन्न सहकारी सोसाटियो में किया गया है, जो मांग लगभग 76 प्रतिशत है। कृषकों द्वारा अभी तक 2.41 लाख क्विंटल बीज का उठाव किया जा चुका है, जो विगत वर्ष की इसी अवधि में हुए उठाव 1.64 लाख क्विंटल की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक है।

बैठक में श्रीमती निगार ने बताया कि सहकारी क्षेत्र में उर्वरक का वर्तमान भण्डारण 6.20 लाख टन है, जो मांग का 72 प्रतिशत है। कृषकों ने अब तक 3.29 लाख टन खाद का उठाव किया है। जो मांग का 38 प्रतिशत है।

मंत्री श्री नेताम ने बीज एवं उर्वरक के भंडारण की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संपूर्ण खरीफ सीजन में भण्डारण की इस गति को बरकरार रखा जाए, ताकि आपूर्ति बाधित न होने पाए। मंत्री श्री नेताम ने अधिकारियों को भारत सरकार के कृषि एवं रासायन मंत्रालय एवं उर्वरक प्रदाय कंपनियों से निरंतर समन्वय बनाये रखने के निर्देश दिए। उन्होंने नैनो फर्टिलाईजर को बढ़ावा देने, सीमावर्ती जिलों में उर्वरक परिवहन पर निगरानी रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अपेक्स बैंक के अधिकारियों से कहा कि समितियों में भण्डारण क्षमता का आंकलन कर लिया जाए, यदि भण्डारण हेतु अतिरिक्त गोदाम की आवश्यकता हो तो इसका प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराया जाए। बैठक में संचालक कृषि डॉ सारांश मित्तर, मार्कफेड, बीज निगम, अपेक्स बैंक, इंदिरा गांधी कृषि विवि के अधिकारियों सहित कृषि और उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बीज निगम के पास डिमांड से ज्यादा खरीफ फसलों के बीज, किसानों ने किया 2.41 लाख क्विंटल बीज का उठाव

बिलासपुर सांसद तोखन साहू को मिली मोदी कैबिनेट में जगह, मंत्री बनते ही बनाया यह खास रिकार्ड

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से पहली बार सांसद चुने गए भाजपा के तोखन साहू को मोदी कैबिनेट में जगह मिल गई। पहली बार सांसद बनने के बाद मंत्री मंडल में जगह मिलने से प्रदेश के राजनीतिक दिग्गज हैरान हैं। छत्तीसगढ़ के कई वरिष्ठ नेता मोदी मंत्रीमंडल में शामिल होने की आस में बैठे थे लेकिन पीएम मोदी ने चौंकाते हुए तोखन साहू को केन्द्रीय राज्य मंत्री बनाया। रविवार को राष्ट्रपति भवन में अयोजित शपथ ग्रहण समारोह में तोखन साहू ने राज्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। शपथ लेते ही तोखन साहू उन सांसदों में शामिल हो गए जो पहली बार में मंत्री बन गए। छत्तीसगढ़ के लिए भी यह एक रिकार्ड है।

बता दें लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ से भाजपा को 11 में से 10 सीटें मिली हैं। कोरबा लोकसभा से सरोज पाण्डेय की हार को छोड़ दें तो शेष सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों ने शानदार जीत दर्ज की। रायपुर लोकसभा क्षेत्र से बृजमोहन अग्रवाल पांच लाख से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज कर रिकार्ड बनाया। वहीं दुर्ग से दूसरी बार विजय बघेल ने रिकार्ड जीत हासिल की।

जिनवाणी से चलेंगे तो संवाद होगा और मन वाणी से चलेंगे तो विवाद होगा : सौभाग्यमति माता जी

रायपुर (विश्व परिवार)। आर्यिका मां सौभाग्यमति माता ससंघ श्री शंकर नगर दिगंबर जैन मंदिर रायपुर में विराजमान है उन्होंने आज श्रुत पंचमी के अवसर पर अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि श्री जिनेंद्र वाणी अर्थात जिनवाणी हमारे कल्याण मार्ग का रास्ता प्रशस्त करती है हम यदि जिनवाणी सुनकर उसका अनुसरण करेंगे तो संवाद होगा और यदि हम अपनी मन वाणी से चलते हैं तो विवाद हो सकता है, माताजी ने शास्त्र आराधना का पर्व श्रुत पंचमी की कथा सुनाते हुए बताया कि भगवान महावीर के मोक्ष गमन के कई वर्ष पश्चात तक श्रुत परंपरा चलती रही और इस समय तक श्रुत को लिपिबद्ध करने का कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तब गिरनार पर्वत की चंद्र गुफा में तपस्यारत आचार्य धरसेन स्वामी अपनी अल्प आयु जानकर श्रुत विच्छेद के भय से चिंतित हुए क्योंकि उस समय मुनियों की स्मरण शक्ति क्षीण होने लगी थी अत: उन्होंने महिमा नगर जिला सतारा महाराष्ट्र में चल रहे यति सम्मेलन में आचार्य अरहदबलि को पत्र लिखकर दो योग्य मुनियों को भेजने का अनुरोध किया। आचार्य अरहदबलि के भेजे दो योग्य शिष्य जो कालांतर में पुष्पदंत और भूतबलि नाम से प्रसिद्ध हुए, को आचार्य धरसेन ने जैन आगम का गहन अध्ययन करवाया जिसके परिणाम स्वरूप दोनों शिष्यों ने षटखंडागम नामक ग्रंथ को लिपिबद्ध किया। जिसका एक खंड पुष्पदंत एवं पाँच खंड भूतबली ने लिखे और सन 156 ईस्वी में जेष्ठ शुक्ल पंचमी को ताड़पत्र पर लिखित उक्त ग्रंथ की चतुर्विध श्रावक संघ के द्वारा विधिवत पूजा की गई। तब से ही जैन धर्म में श्रुत पंचमी दिवस के अवसर पर शास्त्रों की पूजा भक्ति एवं विनय करने की परंपरा चली आ रही है एवं लोक में यह पर्व श्रुत पंचमी के नाम से विख्यात हुआ और जैन धर्म में शास्त्र आराधना का पर्व श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाने लगा।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, बुधवार 12 जून 2024
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

बलौदाबाजार में की गई तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना का जायजा लेने पहुँचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदर्शनकारियों के द्वारा सोमवार को जिला मुख्यालय बलौदाबाजार स्थित संयुक्त जिला कार्यालय में की गई तोड़फोड़ एवं आगजनी की घटना का जायजा लेने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा रात्रि करीब 1ः30 बजे बलौदाबाजार कलेक्ट्रेट पहुंचे। उनके साथ खाद्य मंत्री श्री दयाल दास बघेल एव राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा भी थे। उन्होंने कलेक्टर एव एसपी से घटना की विस्तृत जानकारी ली। साथ उन्होंने पूरे परिसर में हुई आगजनी, जिला पंचायत, कुटुंब न्यायालय एवं जनपद पंचायत कार्यालय सहित शहर का भी मुआयना कर नुकसानों का जायजा लिया।

श्री शर्मा ने घटना पर गहरा दु:ख प्रकट किया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश संबधित अधिकारियों को दिए है। उन्होने आगे कहा भारी संख्या में वाहनों को क्षति पहुंचा गया है। जिनमे से कुछ अपने कार्य के लिए पहुँचे गरीब लोगों एवं अधिकारी कर्मचारी के होंगे साथ ही शासकीय सम्पति को नुक़सान पहुँचाया गया है,रिकॉर्ड रूम में न जाने कितनी दस्तावेज जल चुकी है, बिल्डिंग को जला दिया गया है जो की बड़ी मुश्किल से तैयार होती है। उन्होंने कहा कि सरकारी सम्पति को तबाह करने वाले समाज के नहीं होते। पूरे प्रदेश में परम पूज्य बाबा गुरुघासीदास को माना जाता है वे श्वेत ध्वजवाहक हैं तथा शांति के प्रतीक हैं। विगत माह अमर गुफा में जैतखांभ को क्षति पहुँचायी गई थी इस पर पुलिस की जाँच से असंतुष्ट होकर समाज के लोगों ने जाँच की माँग की थी।सभी प्रकार की चर्चा के पश्चात न्यायिक जाँच की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री के निर्देश पर की गई थी।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने किया आमानाका ई-बस डिपो का निरीक्षण

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना से रायपुर शहर में चलेंगी 100 इलेक्ट्रिक सिटी बसें, आम जनों को मिलेगी सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर की जनता को जल्द ही ई बसों से शहर में आने जाने की सुविधा मिलने वाली है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत रायपुर को एक सौ नई बसें मिलेंगी। इन बसों के लगातार संचालन के लिए शहर के आमानाका और पंडरी में दो नए बस डिपो स्थापित किए जा रहे हैं। इससे रायपुर शहर के अंदर ट्रांसपोर्ट सुविधा और भी आसान होगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज आमानाका में स्थापित होने वाले बस डिपो का निरीक्षण किया और वहाँ की जा रही तैयारियों- निर्माण कार्यों का जायज़ा लिया। उन्होंने ई बसों की चार्जिंग के साथ मेंटेनेंस के लिए सभी ज़रूरी इंतज़ाम जल्द करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

ग़ौरतलब है कि रायपुर शहर को केंद्र सरकार की ओर से एक सौ नई ई-बसें मिलने वाली हैं। ये बसें बैट्री से चलेंगी। डिपो स्थलों पर इन बसों की बैट्री चार्ज करने के लिए चार्जिंग पॉइंट भी बनाने की तैयारी है। पंडरी और आमानाका में बनने वाले सिटी बस डिपो बसों के लिए सेंटर पॉइंट होंगे। इन दोनों डिपो से ही शहर के अलग अलग स्थानों के लिए सिटी बसें चलेंगी।

100 नई बसें मिलने और 2 नए सिटी बस डिपो बनने से लोग आसानी से अलग-अलग जगहों के लिए बस पकड़ सकेंगे। बाहर से आने वाले लोगों को भी रायपुर शहर में एक जगह से दूसरे जगह जाने में आसानी होगी। ये सभी बसें केंद्र सरकार की ओर से रायपुर सिटी को मिल रही हैं। नए डिपो बनाने की तैयारी रायपुर नगर निगम ने शुरू कर दी है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज आईएसबीटी का भी निरीक्षण किया। इसमें 1 एकड़ जगह को सिटी बस के स्टैंड के लिए फाइनल किया गया है। यहां पर दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को शहर के भीतर किसी भी स्थान में जाने के लिए आसानी से सिटी बसें मिल जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बताया कि इस नए बस डिपो को आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार किया जाएगा। जिसमें बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। इसके अलावा यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वेटिंग एरिया और अन्य व्यवस्थाएं होंगी। निरीक्षण के दौरान रायपुर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा की

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज कलेक्टर सभा कक्ष में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक की। राजस्व अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि जिले के राजस्व मामले का लंबित प्रकरणों को तेजी के साथ निराकरण किया जाए और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण हो। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व कार्यालयों में कोई भी मामला लंबित न रखें। आवेदकों की समस्याओं का निराकरण भी त्वरित हो।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विगत दिनों समस्त अनुविभाग अधिकारी(राजस्व) को निर्देशित किया था कि सभी अधिकारी संबंधित अधीनस्थ तहसील कार्यालय का औचक निरीक्षण करें एवं लंबित प्रकरणों की जानकारी लें। पिछले 10 दिनों के भीतर अनुविभाग अधिकारियों (राजस्व) ने तहसीलो का निरीक्षण कर कलेक्टर के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत किया। जिसकी विस्तृत समीक्षा कर प्रकरणों को निराकरण करने के निर्देश दिए गए।

कंसारी समाज नवापारा द्वारा रक्तदान शिविर में 60 रक्तवीरो ने किया रक्तदान

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। एक कदम हम बढ़ाएं, एक कदम आप भी बढ़ाएं, किसी की खत्म होती जिंदगी को हम सभी मिलजुलकर बचाएं। इंसानियत का फर्ज निभाएं। आपके रक्त का हर एक बूंद कीमती है उससे हम किसी का जीवन बचा सकते हैं। ईश्वर की कृपा है कि हम स्वस्थ हैं, हमारा भी फर्ज बनता है कि जिन्हें रक्त की जरूरत है उन्हें रक्तदान करें। श्री सत्यदेव महाप्रभु के 75 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में श्री सत्यदेव युवा संगठन एवम महानदी ब्लड सेंटर, कंसारी समाज नवापारा के द्वारा दिनांक 09 जून दिन रविवार को सत्यनारायण मंदिर के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस पुण्य आयोजन में प्रात: दस बजे से शाम पांच बजे तक कुल साठ रक्तवीरो ने रक्तदान शिविर में बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया जिसमे महिलाएं भी शामिल हैं।

रक्तदान महादान कर सभी ने मानवता का संदेश दिया। रक्तदान करके हम किसी जरूरतमंद की मदद कर सकते है हर उस व्यक्ति को जो इसके योग्य है हमें रक्तदान अवश्य करना चाहिए इससे अनेक फायदे हैं। रक्तदान शिविर से समाज में अत्यंत हर्ष व्याप्त हैं। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महानदी ब्लड बैंक के भावेश साहू, मनीष मिश्रा, नूतन भारती, तेज यादव, करन साहू, सूर्यकांत वर्मा मोहित वर्मा का विशेष योगदान रहा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सत्यदेव युवा संगठन, कंसारी समाज संगठन, मंदिर कमेटी, महिला संगठन शिक्षा विकास समिति व भजन कीर्तन मंडली का। प्रमुख योगदान रहा। समाज के अध्यक्ष सहदेव कंसारी ने सभी का आभार व्यक्त किया और भविष्य में इस प्रकार का आयोजन करते रहने की बात कही।

श्री सत्यनारायण महाप्रभु जी की मूर्ति की स्थापना की 75 वीं वर्षगांठ धूमधाम के साथ मनाया गया

श्री सत्यनारायण मंदिर (कंसारी समाज) में हुए विविध आयोजन

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। नगर के मध्य में विराजमान श्री सत्यनारायण मंदिर में स्थापित भगवान श्री सत्यनारायण महाप्रभु जी की मूर्ति स्थापना की 75वीं वर्षगांठ (स्थापना दिवस) कंसारी समाज व श्री सत्यनारायण मंदिर कमेटी के तत्वावधान में बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रात: 4 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। वहीं मंदिर में भगवान को पंचामृत स्नान, अभिषेक मंदिर के पुरोहित पंडित भागवत प्रसाद मिश्रा द्वारा कराया गया। भगवान श्री सत्यनारायण जी का अलौकिक व आकर्षक श्रृंगार किया गया। विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ के साथ ही प्रात:काल 6 बजे मंगला आरती की गई। भगवान श्री सत्यनारायण की शोभायात्रा मंदिर से प्रात: 8ः00 बजे निकाली गई जो की यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो गंज रोड, सब्जी मंडी, सदर रोड, कुम्हारपारा, सुभाष चौक, बस स्टैंड काली मंदिर, मां कर्मा मंदिर से होते हुए कृषि उपज मंडी पंजवानी चौक होते वापस 11ः30 बजे मंदिर पहुंची।

शोभायात्रा के आगे-आगे भगवान श्री सत्यनारायण जी की झांकी के साथ ही भगवान विष्णु व लक्ष्मी जी की जीवंत झांकी चल रही थी। समाज की महिलाओं एवं पुरुषों की भजन मंडली के साथ ही सारंगढ़ बरमकेला से आई हुई लिंजीर संकीर्तन मंडली के कलाकारों के द्वारा नाचते गाते हुए उड़िया गीतों की प्रस्तुति दी गई। इस मंडली में कुल 30 सदस्य थे। जो कि लोगों में आकर्षण का केंद्र रही। भगवान श्री सत्यनारायण की शोभायात्रा का जगह-जगह पूजा अर्चना की गई वहीं नगर की विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत किया गया। शीतल पेय की भी व्यवस्था की गई थी। क्षेत्र की जानी मानी सामाजिक व धार्मिक संस्था श्री सालासर सुंदरकांड जनकल्याण समिति व हनुमान चालीसा समिति द्वारा समिति के संस्थापक राजू काबरा के नेतृत्व में शीतल पेय पानी पाउच का वितरण किया गया।

श्री सत्यनारायण महाप्रभु जी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर अखंड रामायण का पाठ किया गया। केपीएल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही रक्तदान व नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें नगर वासियों ने भरपूर सहयोग प्रदान किया। 75 वें वार्षिकोत्सव के समस्त कार्यक्रमों को सफल बनाने में नगर कंसारी समाज, महिला संगठन, श्री सत्यनारायण मंदिर कमेटी, श्री सत्यदेव युवा संगठन समिति, महिला मंडली, भजन मंडली के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

निगम भिलाई ने 4 अतिरिक्त पानी टंकियो का निर्माण किया

भिलाईनगर (आरएनएस)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में वृहद पेयजल योजना के अंतर्गत सभी नागरिको तक स्वच्छ पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। ऐसा सर्वे में आया था कि नगर निगम भिलाई क्षेत्र के कुछ कालोनीयो एवं बस्तीयो में पानी का प्रेशर कम रहता है। उसी के निदान के लिए निगम द्वारा 4 अतिरिक्त पानी टंकियो का निर्माण किया गया है। जहां पर अतिरिक्त पानी है उस पानी की सप्लाई इन टंकियो में किया जायेगा। जिससे इन टंकियो के माध्यम से जहां पानी का प्रेशर कम रहेता है वहां पर सुचारू रूप से सप्लाई हो सके। इस सप्लाई के लिए पुराने सप्लाई के पाइप लाइन को नई टंकी से जोड़ने के लिए पाईप लाईन बिछाने हेतु, महापौर पिरषद के समक्ष 5.42 करोड़ का प्रस्ताव आया था, महापौर परिषद ने एक स्वर में इस प्रस्ताव को पारित किया, महापौर नीरज पाल ने खुसी व्यक्त करते हुए कहा कि अब हमारे भिलाई शहर के उन वार्डो में भी पानी मिल सकता है जिन वार्डो में पानी का प्रेशर हमेशा कम रहेता है। हम सब का यही उददेश्य है सब को शुद्व पीने एवं निस्तारी का पानी पर्याप्त मात्रा में मिले।

श्री धर्मनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर अभिषेक शांति धारा कर देश में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड रायपुर के जिनालय में पार्श्वनाथ बेदी के समक्ष आज जैन संप्रदाय के 15 वे तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस धार्मिक वातावरण में मनाया गया। पूर्व उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू ने बताया की आज दिनाँक 10/06/2024 तिथि ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी, वीर निर्वाण संवत 2550 दिन = सोमवार को सुबह 8.30 बजे बड़े मंदिर के जिनालय में पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष आध्यात्मिक प्रयोगशाला के माध्यम से प्रतिदिन अभिषेक पूजन शांतिधारा कर रहे श्रावको ने आज जैन संप्रदाय के 15 वे तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक दिवस पर सर्वप्रथम श्री जी को पांडुकक्षिला में श्रीकार लेखनम कर विराजमान किया गया। प्रासुक जल से रजत कलशो के माध्यम से सभी ने श्री जी का अभिषेक किया। तदुपरांत आज देश में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना कर सुख समृद्धि, रिद्धि सिद्धि प्रदाता चमत्कारिक लघु शांति धारा की गई। जिसे करने का सौभाग्य मनोज जैन, सनत कुमार जैन चूड़ी वाला परिवार को प्राप्त हुआ। आज की शांति धारा का वाचन राशु जैन समता कॉलोनी द्वारा किया गया। सभी ने श्री जी आरती कर अष्ट द्रव्यों से देव शास्त्र गुरु पूजन कर अर्घ्य चढ़ाए। 15 वे तीर्थंकर धर्मनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पूजन कर निर्वाण कांड पढ़ कर ही ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी मोक्ष मंगलमण्डिताय श्री धर्मनाथ जिनेन्द्राय अर्घ्यं नि. स्वाहा मंत्रो के साथ निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। श्री धर्म नाथ भगवान के जयकारों के साथ पूरा जिनालय गूंज उठा। आज विशेष रूप से सनत जैन, मनोज जैन, श्रेयश जैन बालू, प्रवीण जैन, राशु जैन, दिलीप जैन, कुमुद जैन, प्रणीत जैन, पलक जैन, उपस्थित थे।

श्रेयश जैन बालू ने भगवान धर्म नाथ जी के बारे में बताया की राजा भानु एवं महारानी सुप्रभा फैजाबाद के निकट रत्नपुर गांव में रहते थे। उन्हीं के यहां पंद्रहवें (15वें) तीर्थंकर धर्मनाथ का जन्ममाघ शुक्ल त्रयोदशी के दिन हुआ। राजा भानु, महारानी सुप्रभा और परिवार के अन्य राज सदस्य भगवान धर्मनाथ के जन्म के पूर्व धर्म-कर्म में लगे रहते थे। वहां नित्य हो रहे यज्ञ-हवन, व्रत-उपासना दान-पुण्य आदि के चलते पूरे राज्य में धार्मिक वातावरण निर्मित हो गया था। उसी के फलस्वरूप शिशु के जन्म के बाद उनका नाम धर्मनाथ पड़ गया। धार्मिक वातावरण और राजसी वैभव के बीच धर्मनाथ का लालन-पालन हुआ। युवावस्था में आने पर राजा भानु ने उनका विवाह कर राज्याभिषेक भी कर दिया। भगवान बनने से पूर्व धर्मनाथ के शासन काल में पूरे राज्य में अधर्म का नामोनिशान तक नहीं था। वे साक्षात धर्म के अवतार थे। लाखों वर्ष तक धर्मपूर्वक शासन करने के पश्चात एक दिन उन्हें उल्कापात देखकर बोध हो गया कि उनका जन्म केवल भोग-विलास के लिए नहीं, बल्कि जनकल्याण के लिए हुआ है। उसी क्षण उन्होंने राज पाठ त्यागने का निर्णय लिया।

अतः अपने पुत्र सुधर्म का राज्याभिषेक करके स्वयं मुनि-दीक्षा लेकर वन विहार कर लिया। एक वर्ष केघोर तप के पश्चात पौष माह की पूर्णिमा के दिन उन्हें कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ। जैन धर्मावलंबियों अनुसार आपका प्रतीक चिह्न-वज्र है। वज्र इंद्र देव का शस्त्र है इसलिए इन्द्र को वज्रपाणि कहा जाता है। वज्र कठोरता का प्रतीक भी माना गया है, जो हमें यह शिक्षा देता है कि जीवन में हमें कितना भी दुख क्यों ना मिले, फिर भी हमें वज्र के समान कठोर रहकर दुख को सहन करना चाहिए।और घोर दुख में भी धर्म के पदचिह्नों पर चलना चाहिए। मनुष्य रूप में भगवा न धर्मनाथ दस लाख वर्ष तक पृथ्वी पर रहें। फिर ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के दिन सम्मेदशिखरजी पर निर्वाण प्राप्त करके सदा के लिए मुक्त हो गए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./11956/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2024
रायपुर दिनांक : 10-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11956
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR223L149CB** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MANILAL PATEL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHAMJI BHAI PATEL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **पुरुषोत्तम पटेल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. शामजी भाई पटेल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11184/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11184
वार्ड का नाम-16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G00305** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PAWAN KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHRIRAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भारत साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH OR SAHMATI**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11185/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11185
वार्ड का नाम-16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107H00079** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHART SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेंद्र कुमार साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्रीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH PATRA, SAHMATI PATRA**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11186/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11186
वार्ड का नाम-16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107G00296** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHRE RAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ITWARI SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. HEMIN SAHU 2. SURAJ SAHU 3. FAGNI SAHU 4. MONIKA SAHU 5. VIKASH SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. PAWAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAPATH OR SAHMATI**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12069/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12069
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801H00087** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMALJEET KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SONA KAUR SEERAY W/O RAVINDER SINGH SEERAY 2. GURDEEP SINGH SEERAY S/O RAVINDER SINGH SEERAY 3. PRANAVDEEP SINGH SEERAY S/O RAVINDER SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण धुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12071/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12071
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801H00086** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TAHAL SINGH SEERAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAVINDER SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH SEERAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण धुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12073/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12073
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801H0088A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TAHAL SINGH SEERAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SONA KAUR SEERAY W/O RAVINDER SINGH SEERAY 2. GURDEEP SINGH SEERAY S/O RAVINDER SINGH SEERAY 3. PRANAVDEEP SINGH SEERAY S/O RAVINDER SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण धुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /12074/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024
रायपुर, दिनांक 11-06-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 12074
वार्ड का नाम- 1 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 1 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801H00088** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KAMALJIT KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HARPAL SINGH SEERAY** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PAWANDEEP SINGH SEERAY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MANJEET SINGH SEERAY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अरूण धुव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 12 जून 2024

संक्षिप्त समाचार

शासकीय आईटीआई कोटा में प्लेसमेंट कैंप 13 जून को

बिलासपुर (विश्व परिवार)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोटा में महाराष्ट्र राज्य के अरनव इन्फोसॉफ्ट प्राईवेट लिमिटेड पूणे द्वारा जेबीएम ग्रुप के 400 अप्रेंटिसशिप पदों पर आवेदन आमंत्रित किए गए है। 13 जून को सवेरे 11 बजे से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। आवेदन करने हेतु शैक्षणिक योग्यता 10वी, 12वी, आईटीआई एवं डिप्लोमा है। आवेदक को शैक्षणिक योग्यता में कम से कम 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

कलेक्टर 11 जून को लेंगे प्राचार्यों की बैठक संपन्न

बिलासपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री अवनीश शरण 11 जून को दोपहर 3 बजे जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभा भवन में जिले के शासकीय माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों की बैठक लेंगे। बैठक में हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा 2024 के परीक्षा परिणामों की समीक्षा, बोर्ड परीक्षा परिणाम सत्र 2024-25 में जिले को टॉप-10 में लाने हेतु कार्ययोजना एवं विद्यालय के मूलभूत अधोसंरचना-भवन, मरम्मत, रंगाई, पुताई, शौचालय, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, बैठक व्यवस्था जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में प्राचार्यों को अपने विद्यालय की आवश्यक जानकारियों सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए गए है। साथ ही बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

वन अधिकार पट्टा सहित अन्य मांगों को लेकर गोंगपा करेगी आंदोलन

कोरबा (विश्व परिवार)। वन अधिकार पट्टा वितरण समेत अन्य समस्याओं का निराकरण करने के लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने पोड़ी उपरोड़ा एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने अपने ज्ञापन में कहा है कि एक सप्ताह के भीतर समस्या का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन का रास्ता अख्तियार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में वन अधिकार पट्टा का फार्म भराया गया था, उन्हें वन अधिकार पट्टा वितरण किया जाए। प्रत्येक ग्राम पंचायत में वन अधिकार पट्टा का फार्म भराया जाए। हाथी प्रकरण में उचित मुआवजा प्रदान किया जाए। साथ ही कर्मचारी शांति पांडेय को निलंबित किया जाए। उन्होंने कहा कि रेल कारिडोर गेवरा- पेंड्रारोड एवं नेशनल हाईवे 130 का लंबित मुआवजा भुगतान किया जाए। राजस्व विभाग में तहसीलदार, पटवारी, तहसील कार्यालय का लिपिकों द्वारा फौती नामांतरण, बंटवारा के नाम से मोटी रकम वसूल किया जा रहा है, इसे तत्काल बंद किया जाए। विद्युत विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर लगाने के नाम से पैसा मांगने पर रोक लगाने, वन विभाग द्वारा आदिवासी किसानों व ग्रामीणों को उनके निस्तार के कार्य गिट्टी, मिट्टी, सूखी लकड़ी परिवहनों के कार्य में अवैध वसूली कर प्रताड़ित किया जा रहा है, उस पर रोक लगाया जाना चाहिए। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि रेत की रायल्टी नहीं होने के कारण किसी भी व्यक्ति को निस्तार के कार्य में पुलिस व वन विभाग द्वारा वसूली पर रोक लगाने के साथ ही लेन-देन कर अवैध रूप से परिवहन के कार्य को बंद किया जाना चाहिए। अवैध शराब की बिक्री रोक लगे। केंदई वन परिक्षेत्र में पदस्थ रेंजर अभिषेक दुबे द्वारा ग्राम कापानवापारा में आदिवासी महिला व पुरूष के साथ जातिगत गाली-गलौज व मारपीट करने पर केंदई वन परिक्षेत्र से हटाया जाए। साथ ही चोटिया से बनिया पंहुच मार्ग व पोड़ी उपरोड़ा से माचाडोली रोड का कार्य प्रारंभ कराने की मांग रखी है। इस दौरान गोंगपा के जिलाध्यक्ष गिरजा शंकर कोराम, ब्लाक अध्यक्ष शिवराम सिंह मरकाम, विधायक प्रतिनिधि रायसिंह मरकाम, विक्रम सिंह मरकाम, सुनील कुंवर ने कहा है कि उपरोक्त समस्याओं का निराकरण सात दिवस के भीतर नहीं होने पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने 18 जून को उग्र धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

बोरर का प्रकोपः बीमारी की जद में आ चुके साल के 923 पेड़ कटेंगे

कोरबा (विश्व परिवार)। जिले में बालकों के सघन वन क्षेत्र में साल पेड़ पर बोरर का प्रकोप दो साल से बढ़ता जा रहा था। इसकी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। आखिरकार विभागीय अधिकारियों ने बीमारी की जद में आ चुके 923 पेड़ों को कटने की केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय से अनुमित मांगी। अब तक विभाग ने 497 पेड़ों की कटाई की है। जल्द पूरी तरह सूख चुके शेष 426 पेड़ों की कटाई की जाएगी, ताकि जंगल को सुरक्षित रखा जा सके। कट चुके पेड़ों की जगह मे दोगुना साल पौधा मानसून के दौरान रोपण करने का निर्णय वन विभाग ने किया है। वन क्षेत्रों पाया जाने वाला साल वृक्ष पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्रमुख माना जाता है। बालको, कोरबा वन परिक्षेत्र में यह बहुतायत संख्या में पाई जाती है। पिछले दो साल में पेड़ों में आ रही साल बोरर की बीमारी ने वन अमले की चिंता बढ़ा दी। केशलपुर के आसपास भारी संख्या में साल के सूखे पेंड़ देखे जा सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत चलाया गया सघन जागरुकता अभियान

सुरक्षा एवं सतर्कता बिलासपुर मण्डल की प्राथमिकता

- बिलासपुर मंडल के लगभग 80 से अधिक फाटकों पर विभिन्न कार्यकर्मों के माध्यम से लोगों को किया गया जागरूक
- नुक्कड़ नाटक, स्लोगन, कविता, उद्घोषणा, पैम्फलेट, पोस्टर आदि के माध्यम से लोगों में जागृति लाने की गई सफल प्रयास

बिलासपुर (विश्व परिवार)। अंतर्राष्ट्रीय समपार (फाटक) जागरुकता दिवस के अवसर पर समपार फाटकों में होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सड़क उपयोगकर्ताओं में सुरक्षित समपार फाटक पार करने के दौरान ली जाने वाली सावधानियों एवं नियमों के प्रति जागरूकता लाने बिलासपुर मंडल संरक्षा विभाग व्दारा 4 जून 2024 से 10 जून 2024 तक समपार फाटक जागरूकता अभियान चलाया गया । इस अभियान के तहत मंडल रेल प्रबंधक श्री प्रवीण पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री साकेत रंजन के निर्देशन में योजनाबद्ध तरीके से प्रत्येक दिन संरक्षा सलाहकारों, नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों, स्काउट-गाइड तथा विभिन्न विभागों के पर्यवेक्षकों तथा रेलवे सुरक्षा बल के सदस्यों द्वारा मंडल के सभी समपार फाटकों पर पर्चे बांटकर, स्टीकर चिपकाकर, बैनर लगाकर व उद्घोषणा के माध्यम से सड़क उपयोगकर्ताओं को जानकारी दी गई । अभियान में सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार जब बंद हो रहा हो तब जल्दबाजी न करने, ट्रैक पर हेड फोन का उपयोग न करने, बंद समपार फाटक की स्थिति में नीचे से

अथवा साइड से पार न करने, गेटमैन से मारपीट कर गेट खोलने का प्रयास न करने के बारे में जागरूकता अभियान चलाया गया । संरक्षा ही सर्वोपरि है, के उद्देश्य के साथ ठहरिए, देखिए, और बढ़िए के सकर्तकता वाक्य को लेकर संरक्षा विभाग ने सम्पूर्ण बिलासपुर मण्डल को इस जागरूकता दिवस के आयोजन हेतु टीम भावना से कार्य करते हुए सिविल डिफेंस, स्काउट एवं गाइड , रेल सुरक्षा बल, इंजीनियरिंग विभाग और यातायात विभाग को साथ लेकर विभिन्न समपार फाटकों पर पर्चे बांटकर, स्टीकर चिपकाकर, बैनर लगाकर व उद्घोषणा कर सड़क उपयोगकर्ताओं, वाहन चालकों को बताया गया कि थोड़ा समय बचाने के लिए अपने को दुर्घटना की ओर न ले जाएं। पैदल या गाड़ी से रेल्वे लाइन को कहीं पर पार ना करें। रेल फाटक पार करने से पहले रुकें, और दोनों और देखें कि कोई ट्रेन या ट्रॉली तो नहीं या रही है, इसके बाद ही आगे बढ़ें। आम जनता को जागरूक किया गया लोगो को भारतीय रेलवे कानून 1989 की धारा 16 के अंतर्गत दंड के प्रावधान से भी अवगत कराया गया। अभियान के अंतिम दिन आज बिलासपुर स्टेशन व अमेरी फाटक में स्काउट-गाइड की टीमों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समपार फाटकों में होने वाली घटनाओं की जीवंत प्रस्तुति देकर यात्रियों व राहगीरों को संरक्षा नियमों का पालन करते हुये सुरक्षित समपार फाटक पार करने के प्रति जागरूक किया गया साथ ही समपार फाटक पार करते समय गाडी को धीमा चलाने, फाटक बंद हो तो खुलने का इंतजार करने तथा फाटक पार करते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने का परामर्श दिया गया

बिलासपुर आयुर्वेद अस्पताल में 275 बच्चों का हुआ स्वर्ण प्राशन

बिलासपुर (विश्व परिवार)। बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने आज सरकंडा नूतन कालोनी स्थित शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, बिलासपुर के बाल रोग विभाग द्वारा आज पुष्य नक्षत्र के अवसर पर 275 बच्चों का स्वर्णप्राशन हुआ। आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में हर पुष्य नक्षत्र तिथि में शून्य से सोलह वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। सवेरे 9 बजे से शाम 5 बजे तक स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। अगला स्वर्ण प्राशन 8 जुलाई को सवेरे 9 से शाम 5 बजे तक आयोजित किया जाएगा। स्वर्ण प्राशन से बच्चो की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है, उनके शारीरिक तथा मानसिक विकास में मददगार साबित होता है। इसके साथ ही बच्चों में एकाग्रता और

स्मरण शक्ति बढ़ाने में भी अत्यंत लाभकारी है। चिकित्सालय के बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. विद्या भूषण पाण्डेय ने बताया कि इसके नियमित प्रयोग से बच्चों की मेधा एवं स्मृति का वर्धन भी होता है। इस की प्रमाणिकता वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध हो चुकी है। आने वाले प्रत्येक माह के पुष्य नक्षत्र में यह स्वर्ण प्राशन बाल रोग विभाग में किया जाना प्रस्तावित है। जिसकी सूचना विभाग से ली जा सकती है। विभाग द्वारा विगत वर्ष 2023 में 18 पुष्य नक्षत्रों में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे कुल 2 हजार 8 सौ 50 बच्चों ने लाभ प्राप्त किया। वर्ष 2024 में अब तक 1500 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया है। जिन बच्चों को लगातार स्वर्ण प्राशन कराया गया उनकी वजन और ऊंचाई में बेहतर फर्क देखने को मिला है साथ ही उनकी बौद्धिक क्षमता में भी विकास पाया गया है।

भारत माला प्रोजेक्ट से चोरी गए तीन बैटरी के साथ चार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (विश्व परिवार)। भारतीय राष्ट्रीय राज्य मार्ग प्राधिकरण द्वारा बिलासपुर से उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग 130 भारत माला प्रोजेक्ट के कार्य स्थल से बाइक से आए चार अज्ञात लोगो ने सोलर लाइट में लगी तीन बैटरी की चोरी कर ली। मामले में पुलिस ने चार आरोपित को गिरफ्तार कर चोरी की तीन बैटरी व दो बाइक जब्त की। घटना उरगा थाना अंतर्गत ग्राम उरगा के समीप हुई। संजु राठौर 38 वर्ष निवासी राजनदन नगर श्रीगर अटसु थाना अजीतमल जिला औरेया उत्तरप्रदेश हाल मुकात भारत माला प्रोजेक्ट तरदा ने पुलिस को बताया है कि एनएच निर्माण का कार्यादेश जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट को मिला है। कंपनी द्वारा ग्राम उरगा सीएच 62944 फ्लाइओवहर का कार्य किया जा रहा है। वहां से 25 मई की रात लगभग 12.45 बजे चार अज्ञात लोग बाइक से आए और सोलर लाइट में लगे तीन बैटरी को चोरी कर ले गए। इसकी सूचना रात को प्रहरी कन्हैया प्रसाद ने दिया। इस पर पुलिस ने मामला कायम कर विवेचना में लिया। पतासाजी के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तरदा होटल में चार लड़के पुरानी बैटरी बेचने के संबंध में आपस में चर्चा कर रहे है। इस पर पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर ग्राम तरदा जाकर संजू जायसवाल होटल में चारों लड़कों को का नाम पता पूछकर थाना लाया। उसके बाद पृथक-पृथक पूछताछ कर बयान लिया। तब उन्होंने अपना नाम सचिन भारद्वाज, रविन्द्र टंडन, चंद्र विजय भारद्वाज, जागेश्वर पटेल ने बताया कि 25 मई की रात को चारों लोग सचिन व जागेश्वर की बाइक में बैठकर चोरी करने के लिए भारत माला निर्माणाधीन रोड़ रिलेक्स इन होटल के आगे गए और सोलर लाइट सिस्टम में लगे तीन एक्साइड बैटरी को निकाले। फिर सचिन के बाइक सीजी 12 बीएल 8185 और जागेश्वर पटेल के बाइक सीजी 12 एसी 2989 में लोड करके एक बैटरी सचिन के घर, एक बैटरी चंद्रविजय के घर एवं एक बैटरी रविंद्र टंडन के घर छुपाकर रखने व बाइक को अपने घर में रखना कबूल किया। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने तीन नग एक्साइड बैटरी व दो बाइक सीजी 12 बीएल 8185 एवं सीजी 12 एसी 2989 को जब्त किया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपित रविंद्र टंडन 19 वर्ष निवासी देवरमाल, जागेश्वर पटेल 29 वर्ष निवासी अखरापाली थाना उरगा, सचिन उर्फ विक्की भारद्वाज 28 वर्ष तथा चंद्रविजय भारद्वाज 29 वर्ष निवासी सभी अखरापाली थाना उरगा। के विरूद्ध धारा 379, 34 के तहत गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया।

स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

अम्बिकापुर (विश्व परिवार)। राज्य शासन के निर्देशानुसार सरगुजा जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सभी ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी नरेगा के अंतर्गत स्वच्छ हरित ग्राम सप्ताह का सफलतापूर्वक आयोजन स्वच्छ भारत मिशन योजना के संयुक्त प्रयासों से किया जा रहा है। कार्यक्रम के इसी क्रम में सोमवार को अम्बिकापुर के अजिरमा, नवापाराखुर्द, कंठी, मेण्ड्राखुर्द, लखनपुर की सिंगीटाना, कंटिदा, पुहपुटरा, लुण्ड्रा की खाराकोना एवं लुण्ड्रा बतौली की पोकसरी, बासेन मैनपाट की काराबेल उदयपुर की पलका एवं सीतापुर की सोनतराई ग्राम पंचायतों में श्रमदान से सफाई अभियान चलाया गया जिसमें सभी सार्वजनिक स्थलों पर साफ-सफाई की गई है तथा घर-घर कचरा कलेक्शन का कार्य महिला स्वेच्छाग्राहियों द्वारा किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री नूतन कुमार कंवर ने बताया कि पर्यावरण प्रबंधन के लिए वृक्षारोपण जल संरक्षण अंतर्गत सभी प्रकार की गतिविधियां की जा रही है। श्रमदान से स्वच्छता का लगातार

संदेश दिया जा रहा है ग्राम पंचायतों में जागरूकता हेतु दीवार लेखन कार्य किया गया है। अभियान के तहत जल संरक्षण हेतु हैण्डपंप के पास सोकपिट का निर्माण किया जा रहा है तथा पुराने सोकपिट की सफाई भी की जा रही है। स्वच्छता समूह की महिलाओं द्वारा डोर टू डोर कचरे का कलेक्शन किया जा रहा है एवं लोगो को अपने आसपास के क्षेत्र को सफाई रखने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। अमृत सरोवरों के मेड़ो पर वृक्ष लगाए जा रहे है, मनरेगा से निर्मित वर्मी कम्पोस्ट एवं नाडेप से जैविक खाद बनाने की विधि के बारे में हितग्राहियों को बताया जा रहा है। पुराने वर्मी कम्पोस्ट को खेतों एवं बाड़ियों में उपयोग करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है तथा उनके उचित रख रखाव के लिए समझाइश दी जा रही है।

यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

- सीसीटीवी कैमरे की मदद से की जा रही है स्टेशनों में सुरक्षा की निगरानी
- मंडल के कोरबा स्टेशन में लगाया गया अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरा

बिलासपुर (विश्व परिवार)। मंडल रेल प्रशासन यात्रियों को बेहतर यात्री सुविधाएं तथा सुरक्षा के साथ बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है । मंडल के अंतर्गत अवस्थित स्टेशनों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री एक स्थान से दूसरे स्थानों के लिए यात्रा करते हैं । यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रेल सुरक्षा बल एवं जीआरपी के ऊपर रहती है स्टेशन के सूक्ष्म से सूक्ष्म गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं जिनकी मदद से रेलवे परिसरों की बेहतर संरक्षा औए सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है सीसीटीवी की मदद से रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के कंट्रोल रूम से स्टेशनों के सभी गतिविधियों व सुरक्षा की निगरानी 24 घंटे की जा रही है यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा आपराधिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के क्रम में निर्भया फंड के तहत मंडल के 09 स्टेशनों में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं 7 जिसमें रायगढ स्टेशन में 32, पेण्ड्रारोड स्टेशन में 16, अनुपपुर स्टेशन में 32, शहडोल स्टेशन में 16, अकलतरा स्टेशन में 12, चाँपा स्टेशन में 23, कोरबा स्टेशन में 09 सहित 07 स्टेशनों में सीसीटीव्ही कैमरे स्थापित किये जा चुके हैं 7 शेष 02 स्टेशनों जिसमें अम्बिकापुर स्टेशन में 14 तथा उमरिया स्टेशन में 15 सीसीटीवी लगाने का कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं जिसे अतिशीघ्र पूरा कर लिया जाएगा ये सभी सीसीटीवी कैमरे पूरे स्टेशन को कवर करने वाली एचडी प्रकार के तथा चेहरे पहचानने वाले साफ्टवेयर जैसी आधुनिक तकनीकी से लेस हैं अतिरिक्त सीसीटीव्ही कैमरे की उपलब्धता से स्टेशनों में अपराध में कमी, यात्रियों तथा उनके सामानों की सुरक्षा में वृद्धि, संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम होगी तथा साक्ष्य संग्रहण करने में आसानी होगी स्टेशनों में सुव्यवस्थित यातायात बनाने के साथ ही भीड़ का बेहतर प्रबंधन करने में भी सहायता मिलेगी जिसका सीधा लाभ यात्रियों को सुरक्षित व भयमुक्त यात्रा के रूप में मिलेगा साथ ही साथ रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों और रेल में अपराध करने वालों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी

मुदरिया रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन चालू होने से कनेक्टिविटी बढ़ेगी और स्टेशन में बेहतर गतिशीलता और दक्षता आएगी.....

बिलासपुर (विश्व परिवार)। मुदरिया रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन का चालू होना इस क्षेत्र में यात्री और मालगाड़ी परिचालन दोनों की दक्षता बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस रणनीतिक विस्तार का उद्देश्य बढ़ते माल यातायात से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करना, अधिक रेल लाइन बनाकर यात्री गाड़ियों के लिए सुगम मार्ग सुनिश्चित करना है। इस विस्तार का एक प्राथमिक लाभ शहडोल क्षेत्र और सोहागपुर क्षेत्र की कोयला खदानों की साइडिंग में लोडिंग के लिए खाली मालगाड़ियों की निर्बाध आपूर्ति की सुविधा है। इससे न केवल आपूर्ति सुचारू हो रही है, बल्कि जैतहरी में एमबीपीजे पावर प्लांट जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रतिष्ठानों के संचालन को भी बल मिलता है, जो कि रोजगार और आजीविका प्रदान करके स्थानीय समुदाय के लिए जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, मुदरिया रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन चालू होने से अमलाई शहर में ओरिएंट पेपर मिल जैसे उद्यमों को लाभ मिलेगा और रुपौंद में सीमेंट लोडिंग में सुविधा होगी,

जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और विशेष रूप से जेके समूह द्वारा शुरू की गई पहलों के माध्यम से इस क्षेत्र में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। रेल लाइनों को तीसरी और चौथी करने जैसी पहलों के माध्यम से रेल अवसंरचना को बढ़ाने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता यात्रियों और उद्योगों दोनों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए इसके समर्पण को रेखांकित करती है। मुदरिया में आगामी नॉन-इंटरलाकिंग और सीआरएस निरीक्षणों से सीआईसी सेक्शन में क्षमता में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे उत्तरी भारत के लिए न्यू कटनी स्टेशन और पेंड्रा स्टेशन से आगे निर्बाध कनेक्टिविटी का मार्ग प्रशस्त होगा। इसके साथ हीबुनियादी ढांचे में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का निवेश न केवल कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी है। छोटा महानदी नदी पर युद्ध स्तर पर चल रहा पुल संख्या 196 का निर्माण इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो इस क्षेत्र के लिए गतिशीलता और कनेक्टिविटी बढ़ाने को सार्थकता प्रदान करेगा । मुदरिया रेलवे स्टेशन पर तीसरी लाइन का चालू होना, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सक्रिय दृष्टिकोण के साथ, समयबद्धता,दक्षता और कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे क्षेत्र में आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर बुधवार 12 जून 2024

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

राज्य में कब बनेगा खेल प्राधिकरण

भूपिंदर सिंह

इसके लिए प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगने चाहिएं तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात हो हिमाचल प्रदेश में पिछली भाजपा सरकार में पहले तो खेल नीति पर काफी चर्चा पर चर्चा होता रही, मगर फिर खेल मंत्री राकेश पठानिया के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को कागजों में नया स्वरूप मिल ही गया।

इसके लिए प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगने चाहिएं तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात हो हिमाचल प्रदेश में पिछली भाजपा सरकार में पहले तो खेल नीति पर काफी चर्चा पर चर्चा होता रही, मगर फिर खेल मंत्री राकेश पठानिया के प्रयासों से हिमाचल प्रदेश सरकार की खेल नीति को कागजों में नया स्वरूप मिल ही गया। इस नीति में स्तरीय ढांचे की बात तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम को खिलाड़ी के अनुरूप करने की कोशिश की गई जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देकर खिलाड़ी प्रदेश व देश को पदक जीतकर तिरंगे को सबसे ऊपर उठाकर जन गण मन की धुन पूरे विश्व को सुना सकें। हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन हुक्मरानों ने खेल विभाग को कभी खेल प्राधिकरण, तो कभी खेल संस्थान बनाने की वकालत की है, मगर हिमाचल प्रदेश में खेलों की हकीकत सबके सामने है। नई खेल नीति में राज्य खेल संस्थान का भी जिक्र है। पिछली भाजपा सरकार नई खेल नीति तो बना गई, मगर उसे धरातल पर उतारने से पहले ही सत्ता से बेदखल हो गई। नई बनी कांग्रेस सरकार से हिमाचल के खेल प्रेमियों को काफी आशा है। पहले विक्रमादित्य सिंह और अब यादविंदर गोमा खेल मंत्री हैं। क्या कांग्रेस सरकार हिमाचल में खेल प्राधिकरण बनाकर खेलों का व्यापक स्तर पर कायाकल्प करेगी? हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए विश्व स्तरीय खेल ढांचा तो बनकर तैयार हो चुका है, मगर प्रशिक्षकों व अन्य सुविधाओं के अभाव में वहां पर उस तरह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आरम्भ नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश में अभी तक भी खेल संस्कृति का अभाव साफ देखा जा सकता है। धूमल सरकार में बनी खेल नीति में हिमाचल के खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी में तीन प्रतिशत आरक्षण बहुत बड़ी सौगात है। अब दो दशक बाद विभिन्न पहलुओं के ऊपर नई खेल नीति में सुधार किया गया है, मगर देखते हैं इसका जब जमीनी हकीकत से सामना होगा, तो वास्तव में सरकारी तंत्र कितना सही कार्यनिष्पादित करवा पाता है। खेलों में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो, इससे जब हजारों विद्यार्थी फिटनेस कार्यक्रम से गुजरेंगे तो उनमें कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। खेल नीति में हिमाचली खिलाड़ियों से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन के लिए राज्य में अधिक से अधिक खेल अकादमियां व शिक्षा संस्थानों में खेल विंग, स्थान की सुविधा व प्रतिभा को देखते हुए सरकारी व खेल संघों के माध्यम से खोलने को कहा गया है तथा भविष्य में विभिन्न बड़ी कंपनियों से सीआरएस के माध्यम से राज्य में खेल ढांचे को सुदृढ़ करने मंशा भी है। मनरेगा से भी ग्रामीण क्षेत्रों में प्ले फील्ड की सुविधा जुटाने की बात कही गई है। हिमाचल प्रदेश में विभिन्न खेलों का स्तर राज्य में खेल छात्रावासों के खुलने के बाद भी अभी तक सुधरा नहीं है। यह अलग बात है कि कुछ जुनूनी प्रशिक्षकों के बल पर कभी-कभी अच्छे परिणाम दे पाया हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर कुछ एक खेलों को छोडक़र अधिकांश बार पिछड़ा ही रहा है। हिमाचल हो या देश का कोई अन्य राज्य, उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने के लिए केवल प्रशिक्षक ही मुख्य किरदार दिखाई देता है। यही कारण है कि भारत का खेल मंत्रालय व कई राज्य भी अपने यहां हाई परफॉर्मेंस प्रशिक्षण केन्द्र खोलने पर जोर दे रहे हैं तथा वहां पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने वाले प्रशिक्षकों को अनुबंधित कर रहे हैं। खेलो इंडिया, गुजरात व पंजाब के उच्च खेल परिणाम दिलाने वाले प्रशिक्षण केन्द्रों की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी अधिक से अधिक इस तरह के हाई परफॉर्मेंस केंद्र व अकादमियां खोलनी होंगी। इन प्रशिक्षण केन्द्रों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता प्रदर्शन करवाने वाले अनुभवी प्रशिक्षकों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करवाने की शर्तों पर पांच वर्षों के लिए अनुबंधित करना चाहिए, ताकि हिमाचल प्रदेश की संतानों को भी हिमाचल प्रदेश में रह कर ही पर्याप्त प्रशिक्षण सुविधा मिल सके। केन्द्र व केरल सरकार की तर्ज पर प्रशिक्षकों को भी खिलाड़ी की तरह नगद ईनामी राशि व अवार्ड का प्रावधान किया गया है। आप हर विद्यार्थी को फिटनेस के लिए खेल मैदान में ले जाएंगे, तो उनमें से जरूर कुछ अच्छे खिलाड़ी भी मिलेंगे। प्रतिभा खोज के बाद पढ़ाई के साथ-साथ प्रशिक्षण के लिए अच्छी खेल सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिएं। इसके लिए प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक आधार पर लंबी अवधि के प्रशिक्षण शिविर लगने चाहिएं तथा प्रदेश के शारीरिक शिक्षकों व पूर्व राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए सेमिनार व कम अवधि के प्रशिक्षक बनने के कोर्सेज हों। साथ ही साथ यहां पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के पूर्व लगने वाले कोचिंग कैम्प भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएं, ताकि पहाड़ के लोगों को भी वही सुविधा उपलब्ध हो, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्ट प्रदर्शन किए जा सकें। राष्ट्रीय पदक विजेताओं के लिए वजीफे की बात हो। जो खेल छात्रावास के बाहर हों, उन्हें भी खेल छात्रावास के अंतर्गत दैनिक खुराक भत्ता व अन्य सुविधाओं के ऊपर खर्च होने वाली राशि के बराबर वजीफा देने की वकालत हो। जिन अवार्डी खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों के पास कोई नौकरी नहीं है, उन्हें साठ साल आयु के बाद पेंशन का प्रावधान हो।

अदालत की टिप्पणी मायनेखेज

राजधानी दिल्ली में पानी की भारी किल्लत पर सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी मायनेखेज है। शीर्ष अदालत ने इसी के मद् देनजर हिमाचल प्रदेश को 7 जून को दिल्ली के लिए 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया। साथ ही हरियाणा से कहा कि वह दिल्ली तक पानी का सुगम प्रवाह सुनिश्चित करे। दरअसल, दिल्ली में पानी की घनघोर किल्लत पिछले एक महीने से लगातार बनी हुई है। पानी को लेकर दिल्ली में हिंसक झड़प भी हुई। यहां तक कि एक शख्स की मौत भी हुई। दूसरी ओर, दिल्ली सरकार में मंत्री और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता अतिशी ने पिछले हफ्ते हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर अतिरिक्त पानी देने का अनुरोध किया था। हकीकी तौर पर दिल्ली में पानी को लेकर हमेशा से राजनीति होती रही है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हो रहा था। एक तरफ भाजपा ने जहां दिल्ली सरकार को पानी के मसले पर लगातार घेरा और पानी की कमी को लेकर केजरीवाल सरकार की नाक में दम किए रखी। वहीं आम आदमी पार्टी का कहना है कि इस बार चूंकि गर्मी का कहर ज्यादा रहा इसलिए राज्य में पानी की जोरदार कमी महसूस की गई, मगर हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने मानवीय मूल्यों की परवाह नहीं की और दिल्ली की जनता को पानी के लिए तरसाया। खैर, सर्वोच्च अदालत को इस बात का इल्म है कि पानी पर यहां जमकर राजनीति हो रही है। यही वजह है कि उसने इस मामले में राजनीति न करने की सख्त हिदायत दी है। बहरहाल, पानी की बर्बादी किस तरह की जाती है इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता है। अगर लोगों में यह समझ पैदा हो जाए कि पानी का समझदारी से इस्तेमाल और इसे बचाने में ही भलाई है तो ऐसी दुर्गति से बचा जा सकता है। यह शात सत्य है कि पानी को बचाया जा सकता है, मगर पानी बनाया नहीं जा सकता है। वैसे भी जल संकट दिल्ली की बड़ी और काफी दिनों की समस्या है। इससे निपटने का कोई युक्तसंगत उपाय हर हाल में तलाशना होगा। साथ ही अगर जो लोग पानी की बर्बादी करते पाए जाएंगे तो उन पर सख्ती भी की जानी चाहिए। पानी की जरूरत का अहसास तभी होता है जब यह नहीं मिलती है। इस बात को हमें समझना ही होगा।

विशेष लेख

बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान

भगवती प्रसाद डोभाल

हाल में दिल्ली में बेबी केयर सेंटर में आग लगने से जो हादसा हुआ, उससे नर्सिंग होम और बेबी केयर सेंटर्स में बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवालिया निशान लग गए हैं। इस हादसे के बाद जांच में बहुत सारी खामियां मिल रही हैं। बेबी केयर सेंटर नर्सिंग होम के पंजीकरण पर संचालित किया जा रहा था और इसका लाइसेंस भी 31 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुका था। इसका रिन्यूअल नहीं कराया गया था। मौके पर आग बुझाने का कोई भी उपकरण मौजूद नहीं था और न ही किसी फायर फाइटिंग सिस्टम को लगाने का प्रयास किया गया था। आपातकालीन स्थिति में इमारत से बाहर निकलने के लिए कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था। इस घटना ने लोगों को दिल्ली में संचालित अन्य निजी नर्सिंग होम, बेबी केयर सेंटर, निजी क्लिनिक और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्थाओं के बारे में सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। इन अस्पतालों और नर्सिंग होम को चलाने के लिए किन नियमों का पालन करना पड़ता है और कहां से लाइसेंस लेना पड़ता है; इस संबध में कुछ जानकारियां हैं- सबसे पहले दिल्ली में नर्सिंग होम चलाने के लिए दिल्ली सरकार के डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज से नर्सिंग होम एक्ट के तहत लाइसेंस लेना होता है। डीजीएचएस कार्यालय में पंजीकरण के लिए आवेदन करना होता है। इसके बाद डीजीएचएस कार्यालय की ओर से नर्सिंग होम बिल्डिंग का निरीक्षण किया जाता है; यदि बिल्डिंग नियमों के तहत सही पाई जाती है, तो नर्सिंग होम चलाने का लाइसेंस दिया जाता है। दिल्ली का मास्टर प्लान 2021 के तहत जांच की जाती है कि उस रेजिडेंशियल एरिया, जहां सड़क की चौड़ाई 9 मीटर या उससे अधिक हो, में क्या नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए स्वीकृति दी जा सकती है। दूसरा, दिल्ली के फायर एक्ट के तहत फायर विभाग से नर्सिंग होम या अस्पताल चलाने के लिए एनओसी तब लेनी होती है, जब उस बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर से ज्यादा हो। बिल्डिंग की ऊंचाई नौ मीटर या उससे कम हो, तब एनओसी की जरूरत नहीं होती। तीसरा, चाइल्ड बेबी केयर सेंटर के लिए अलग से परमिशन की जरूरत नहीं पड़ती। उसे नर्सिंग होम के तहत ही पंजीकृत कराकर लाइसेंस लेकर चलाया जा सकता है। डीजीएचएस के जरिए ही बेबी केयर सेंटर को भी नर्सिंग होम एक्ट में पंजीकृत कर सकते हैं। बेबी केयर सेंटर चलाने के लिए प्रशिक्षित पीडियाट्रिशियन, स्पेशलिस्ट डॉक्टर और प्रशिक्षित नर्स की जरूरत होती है। डीजीएचएस द्वारा किसी भी नर्सिंग होम या अस्पताल को पहली बार तीन साल के लिए लाइसेंस दिया जाता है। लाइसेंस का समय खत्म होने से दो महीने पहले रिन्यूअल के लिए आवेदन करना चाहिए। इस बीच रिन्यूअल की अवधि समाप्त हो रही हो तो तब तक इंतजार करना चाहिए,जब तक डीजीएचएस से कोई सूचना नहीं आ जाती। लेकिन जब तक रिन्यूअल के लिए भेजे गए आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया जाता, तब तक अस्पताल और नर्सिंग होम संचालक अस्पताल चला सकता है। पंजीकरण या लाइसेंस अस्वीकृत होने के बाद ही उसको बंद किया जा सकता है। यदि डीजीएचएस कार्यालय देरी कर रहा है, तो विलंब की बाबत पूछताछ की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम या एनडीएमसी के नक्शे के हिसाब से ही बिल्डिंग बनानी पड़ती है। इस नक्शे और बिल्डिंग को देख कर ही डीजीएचएस की ओर से लाइसेंस दिया जाता है। उसके बाद ही नगर निगम या एनडीएमसी उस बिल्डिंग से हाउस टैक्स लेता है। नर्सिंग होम एक्ट के अनुसार 100 वर्ग मीटर के किसी भी प्लाट पर बनी बिल्डिंग में अस्पताल संचालित कर सकते हैं। भारत में अस्पताल स्थापित करने के लिए नैदानिक स्थापना अधिनियम, 2017 के तहत पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। यह केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित किया गया है। इसके लिए पंजीकरण की आवश्यकता होती है। पंजीकरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। पंजीकरण के लिए अस्पतालों को उस श्रेणी के तहत न्यूनतम आवश्यकता पूरी करनी होती है, जिसके अंतर्गत वह आता है। कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकरण में जब अस्पताल ने इसे किसी निगम/कॉरपोरेट के स्वामित्व में स्थापित किया हो। अधिनियम के लिए आवश्यक है कि निगम पंजीकृत हो और एसोसिएशन के ज्ञापन, लेख, पूंजी संरचना निर्माण, प्रतिभूतियों का आवंटन, खाता ऑडिट आदि जैसे निगमन की आवश्यकता को पूरा करता हो। संपूर्ण भारत में यदि स्वास्थ्य से संबंधित उपचार के लिए अस्पतालों को संचालित करना है, तो हमें स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करना होगा।

भारतीय फुटबॉल टीम के कोहिनूर सुनील छेत्री

ललित शर्मा

हाल ही में भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान और महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा करने की घोशणा की। उन्होंने 6 जून 2024 को कुवैत के खिलाफ कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में अपने जीवन का अन्तिम अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला। सुनील छेत्री ने 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ भारत के लिए अपने पदार्पण मैच में अपना पहला गोल किया। उन्होंने अपने पूरे जीवन में 150 अंतर्राश्ट्रीय मुकाबलों में 94 गोल के साथ वर्तमान में अंतर्राश्ट्रीय मैचों में सक्रिय खिलाड़ियों के तौर पर तीसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। वह केवल पुर्तगाली स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोलाल्डो और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी से पीछे हैं। जिस प्रकार भारत में क्रिकेट में आईपीएल का प्रत्येक वर्श आयोजन किया जाता है ऐसे ही भारत में फुटबॉल में आईएसएल का आयोजन प्रतिवर्श किया जाता है। आईएसएल में सुनील छेत्री षीर्श भारतीय गोल स्कोरर हैं। इस प्रतियोगिता में केवल बर्थोलोमेव ओम्बेचे ने उनसे अधिक गोल किये हैं। सुनील छेत्री ने क्लब और देष के लिए कुल मिलाकर 515 मैचों में कुल 252 गोल किए हैं। इस आंकड़े के अनुसार उन्होंने लगभग प्रत्येक दो मैचों में एक गोल किया जोकि महान उपलब्धि है। फीफा ने हाल ही में फुटबॉल में हासिल की गई सुनील छेत्री की उपलब्धियों को स्वीकार किया। वर्ल्ड फुटबॉल गवर्निंग बॉडी ने 2002 में 'कैप्टन फैंटास्टिक' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री बनाई जिसमें फुटबॉल खिलाड़ी के गोल करने वाले कारनामों और उनकी महानता पर प्रकाष डाला गया है। 2008 में एएफसी चैलेंज कप में भारत को जीत दिलाई जिसने उन्हें 27 वर्शों में अपने पहले एएफसी एषियाई कप के लिए क्वालिफाई किया। सुनील छेत्री ने भारत को 2007, 2009, और 2012 में नेहरू कप जिताने में मदद की। साल 2011, 2015, 2021, और 2023 एएसएफ चैम्पियनषिप जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सुनील छेत्री को 2007, 2011, 2013, 2014, 2017, 2018-19 और 2021-22 में रिकॉर्ड सात बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया है। सुनील छेत्री को 2011 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2019 में उनको भारत का चैथा सर्वोच्च सम्मान पदम श्री से सम्मानित किया गया और 2021 में सुनील छेत्री को भारत का सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद पुरस्कार प्रदान किया गया यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले फुटबॉलर हैं। उन्हें 2019 में फुटबॉल दिल्ली द्वारा फुटबॉल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2022 विष्व कप से पहले फीफा ने सक्रिय खिलाड़ियों के बीच दुनिया में तीसरे सबसे ज्यादा पुरूश अंतर्राश्ट्रीय गोल स्कोरर बनने के लिए उनके जीवन और कैरियर के बारे में तीन वृत्तचित्र एपिसोड जारी करके सुनील छेत्री को सम्मानित किया। सुनील छेत्री पहले ऐसे भारतीय खिलाड़ी जो अलग-अलग तीन महाद्वीपों एषिया, उत्तरी अमेरिका और यूरोप खेले हैं। उन्होंने भारत के लिए सर्वाधिक 4 हैट्रिक लगायी हैं। वह भारत की ओर से सर्वाधिक 150 मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं। अपने 142 मैचों तक गोल प्रति मैच के हिसाब से सुनील छेत्री (0.65), रोनाल्डो (.62) और मेसी (.59) से आगे हैं। अन्य खेलों में जैसे क्रिकेट, टेनिस, कुष्ती, हॉकी, निषानेबाजी, बॉक्सिंग आदि खेलों में अन्तर्राश्ट्रीय स्वर्णिम सफलता प्राप्त की है। किन्तु, 140 करोड़ देषवासियों का देष भारत अंतर्राश्ट्रीय स्तर पर एक विष्वस्तरीय टीम नहीं बना पाया है। भारत की सर्वश्रेश्ठ फीफा रैंकिंग 94 रही है जो 1996 में हासिल की थी। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने और देष में इसकी पहुंच बढ़ाने के लिए 21 अक्टूबर 2013 को आईएसएल यानि इण्डियन सुपर लीग की षुरूआत की गयी। भारत की दो सर्वश्रेश्ठ और ऐतिहासिक क्लब मोहन बागान और ईस्ट बंगाल भी आईएसएल में षामिल हो गया। आईएसएल ने काफी हद तक भारतीय फुटबॉल स्तर में सुधार किया पर उम्मीद के मुताबिक भारतीय फुटबॉल टीम वैष्विक स्तर पर प्रदर्षन नहीं कर पायी है। यदि भारत को फुटबॉल में वैष्विक स्तर पर अपनी पहचान बनानी हैं, तो इसके लिए गावों में कैम्प लगाये जाने चाहिये और ग्रामीण स्तर पर टूर्नामेन्टों को नियमित आयोजन किया जाना चाहिए। स्कूल स्तर पर बच्चों में फुटबॉल के प्रति रूचि पैदा करनी होगी। ग्रामीण स्तर पर 5 गावों के बीच एक फुटबॉल मैदान का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए केन्द्र और राज्य सरकारों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। सुनील छेत्री का सन्यांस भारतीय फुटबॉल के एक युग का अंत है, लेकिन उनकी विरासत और योगदान हमेषा साथ रहेंगे। उनकी कमी की भरपायी कभी नहीं की जा सकती हैं। सुनील छेत्री ने अपने स्वर्णिम कैरियर में वो सभी उपलब्धि हासिल की जो किसी भी खिलाड़ी के लिए सपना होता है। आषा है सुनील छेत्री भारतीय फुटबॉल टीम की बेहतरी के लिए सदैव कार्य करते रहेंगे । निष्चित ही सुनील छेत्री भारतीय फुटबॉल इतिहास के सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं। सुनील छेत्री को उनके भविश्य के लिए षुभकामनाऐं।

जय श्री राम से राम राम तक...

2024 के नतीजे आ गये है। देश को प्रधानमंत्रियों की कतार देने वाले राज्य उत्तर प्रदेश में जनादेश के चलते प्रश्न चिन्हों की कतार भी लग गई है। फैजाबाद (इस मुगालते में न रहे कि किसी फैज ने इसे आबाद किया था) फैज अहमद फैज एक पाकिस्तानी शायर है जिनका जन्म 1911 में हुआ था, उनका फैजाबाद से कोई ताल्लुक नहीं है। फैजाबाद लोकसभा सीट (चुनाव आयोग में अभी अयोध्या लोकसभा सीट नाम परिवर्तित नहीं हुआ है) से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पराजित हो गए। भाजपा सहित सनातनियो, हिंदू धर्मावलंबियों सहित भाजपा और भाजपा समर्थको को सांप सूंघ गया। सूंघना भी चाहिए। बावरी मस्जिद ढहने पर जितना सुख लोगो को मिला था भगवान राम के मंदिर बनने के बाद फैजाबाद सीट पर हार ने लोगो की तबियत खराब भी कर दी और मस्त भी कर दी। जय श्री रामके उद्घोष करने वालो6 को समझ में नहीं आ रहा है कि सरयू नदी के किनारे जन मानस के राम के भव्य मंदिर बनाने और राम लला के प्राण प्रतिष्ठा करने के अलावा सारी सुविधाएं परोसने के बाद भी फैजाबाद के मतदाता भाजपा को राम रामक्यों कह दिये? फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा की हार ने उत्तरप्रदेश में समाजवादियों सहित कांग्रेस और भाजपा विरोधी दल और व्यक्तियों के दिल में ठंडक दी है । वे रामचरित मानस अंतर्गत सुंदरकांड का ये दोहा भाजपा के लिए गा रहे है।

निर्मल मन जन सो मोहि भावा
मोहि कपट, छल, छिद्र न भावा

रामचरित मानस में भगवान राम की तरफ से तुलसीदास कहते है कि मुझे वो व्यक्ति पसंद होते है जिनका मन निर्मल होता है और वे छल कपट से परे होते है। फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा कोजय श्री रामसे ,राम रामतक ले जाने में विपक्षियों को असीम सुख मिला है। मिलना भी चाहिए कि देश में आस्था का बना केंद्र जिसके भरोसे चुनाव में राम लहर चलने का जबरदस्त विश्वास था वह सरयू नदी में कैसे डूब गया? जय श्री रामके बदले हे राम निकल रहा है करोड़ो लोगो के मुखार बिंद से। नरेंद्र मोदी (तीसरी बार प्रधान मंत्री पद की शपथ लेने वाले), उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ सहित जय प्रकाश नड्डा और उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के लिए निश्चित रूप से मंथन का विषय होना चाहिए कि अयोध्या का कायाकल्प करने के बाद भी अयोध्या जिस लोकसभा सीट अंतर्गत आता है, वहां भाजपा का विकल्प समाजवादी +कांग्रेस गठबंधन कैसे बन गया? ये चिंतन उत्तर प्रदेश के उन लोकसभा सीट के लिए भी होना चाहिए (पार्टी चिंतक लेखक से हजार गुना होशियार है) जहां के मतदाताओं ने भाजपा को जय श्री रामकहने का गौरव देने के बजाय राम राम कह दिया है। कार्ल मार्क्स ने माना था कि धर्म एक ऐसा नशा है जिसका असर मनो- मस्तिष्क पर स्थाई रूप से होता है लेकिन ये बात आज के दौर में पूर्णत: लागू नहीं होती है। धर्म से बड़ा नशा जाति का है, संप्रदाय का है, प्रलोभन का है, बिना मेहनत करे मिलने वाली सुविधाओं की घोषणाओं का है। फैजाबाद सहित केवल उत्तर प्रदेश में मिला जनादेश अति आत्म विश्वास और आत्म मुग्धता के खिलाफ्त के अलावा अपनी ढपली अपना राग गाने के प्रतिरोध का भी है। अयोध्या लोकसभा मानने वाले पहले अपना ज्ञान सुधार ले कि अयोध्या नाम की देश में कोई लोकसभा सीट ही नही है अत: ये कहना कि अयोध्या लोकसभा सीट से कोई जीत गया या कोई हार गया सरासर गलत है। ये सही है कि भाजपा अगर उत्तर प्रदेश में प्रश्न चिन्ह के दायरे में आई है। एग्जिट पोल में जितनी सीट मिलने का दावा दिखा उसके आधे में कैसे खड़े हो गए? थोड़े से पीछे चल कर अटल बिहारी वाजपेई सरकार के कार्यकाल में हुए चुनाव को याद करते है। बावरी मस्जिद विध्वंस के ज्यादा दिन नही हुए थे और निकले नतीजे से भाजपा राम रामहो गई थी, तब भी इसी तरह के नतीजों ने भाजपा संगठन को चौका दिया था। भाजपा ने तब भी मंथन किया था और आगे फिर उत्तर प्रदेश की जनता ने सर आंखों पर बैठाया था। जो होता है अच्छा होता है, ये मानकर जनादेश को स्वीकारना लोकतंत्र में सुधार का मार्ग प्रशस्त करता है। पांच साल का समय कम नहीं होता है। भाजपा के शीर्ष को आत्ममुग्धता और अति आत्म विश्वास के सातवे मंजिल से जनता ने तीसरे मंजिल पर खड़ा कर ये भी कहा है कि एक मौका और देते है दूसरा मौके के लिए। कहा जाता है कि भगवान दुख के साथ सांत्वना के लिए कुछ सुख भी देते है। भले ही राम मंदिर जिस लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में आता है वहां से भाजपा पराजित हो गई लेकिन धारावाहिक रामायण के राम अरुण गोविल कई बार वनवास में जाते जाते अंतत: जय श्री रामहो गए। भाजपा अब राम, सीता और रावण को संसद में पहुंचाने वाली भी पार्टी कहला सकती है। इन सब बातों से परे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव निश्चित रूप से बधाई के पात्र है जिन्होंने विधानसभा चुनाव में सत्ता न पाने के बावजूद लोकसभा चुनाव में जबरदस्त मेहनत की। सफलता प्राप्त की, कांग्रेस को भी सफलता दिलाने में सूत्राधार रहे। उनकी साइकिल को अगर समय रहते न रोका गया तो लखनऊ पहुंचने से उनको अगले विधान सभा चुनाव में नही रोका जा सकेगा

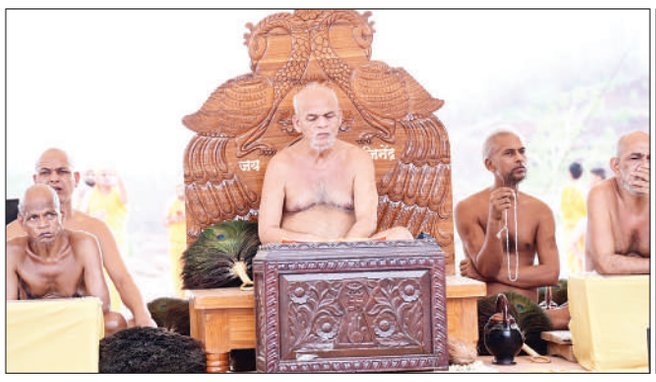

कुंडलपुर के बड़े बाबा मंदिर का हुआ कलशारोहण, पूज्य गुरुदेव का स्वप्न हुआ साकार

कुंडलपुर के नवनिर्माण में आचार्य गुरुदेव की परिकल्पना रही : आचार्य श्री समयसागर जी महाराज

कुंडलपुर/दमोह (विश्व परिवार)। सुप्रसिद्ध सिद्ध क्षेत्र, जैन तीर्थ कुंडलपुर में जिन सूर्य संत शिरोमणि युग श्रेष्ठ आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य विद्या शिरोमणि आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के चतुर्विध संघ के मंगल सानिध्य में आयोजित बड़े बाबा जिनालय कलशारोहण एवं सहस्त्रकूट जिनालय जिनबिम्ब वेदी प्रतिष्ठा महा महोत्सव के अवसर पर 11 जून को प्रातः अभिषेक, शांति धारा नित्यमह पूजन हुई। पूज्य बड़े बाबा जिनालय एवं दाएं बाएं के जिनालय पर कलशारोहण की क्रिया प्रारंभ हुई। स्वर्ण कलश के ऊपरी भाग पर आचार्य श्री समय सागर जी महाराज एवं मुनि संघ के साधुओं ने चंदन से स्वस्तिक बनाया। फिर तो लोगों में स्वस्तिक बनाने की होड़ मच गई। कलश के ऊपरी भाग को एवं कलशारोहण कर्ताओं को क्रेन के द्वारा ऊपर मंदिर के शिखर पर पहुंचाया गया। प्रतिष्ठाचार्य सम्राट ब्रह्मचारी विनय भैया ने कलशारोहण की क्रियाएं संपन्न कराई। आचार्य संघ के सानिध्य में बड़े बाबा मंदिर के शिखर एवं आजू-बाजू बने मंदिरों के शिखर पर प्रात 8:22 पर भव्य कलशारोहण गाजे बाजे के साथ संपन्न हुआ। उपस्थित श्रद्धालु भक्त इस अनुपम दृश्य को अपने नेत्रों से देखकर अपने भाग्य को सराह रहे थे।प्रचार मंत्री जयकुमार जैन जलज ने बताया कलशारोहण कर्ता सुधीर जी कागदी विपिन जी जैन दिल्ली, नवीन जी गुडगांव सैनिक फार्म हाउस दिल्ली, राजेंद्र कुमार अजय कुमार जी विजय कुमार जी धनगशिया अजमेर, श्री प्रभात जी मुंबई, एनसी जैन महेंद्र प्रताप करुणा सागर, पदमचंद मदन कुमार राजेश कुमार सौरभ अक्षतजैन। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु भक्तों ने पूज्य बड़े बाबा का अभिषेक शांतिधारा में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर जी महाराज एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज की पूजन हुई।आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन हुआ शास्त्र अर्पण किए गए।कुंडलपुर में आचार्य श्री समय सागर जी महाराज का चातुर्मास हो इस भावना के साथ कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी सदस्यों ने बड़ी संख्या में श्रीफल अर्पित कर निवेदन किया।108 गाड़ी बसे लेकर सागर से आए श्रद्धालुओं ने श्रीफल अर्पित कर सागर में चातुर्मास हेतु निवेदन किया। 21 बस लेकर देवरी बीना बारहा से आए श्रद्धालुओं ने चातुर्मास हेतु निवेदन किया। शाहगढ़, दलपतपुर, जबलपुर भोपाल, अजमेर, नरसिंहपुर गोटेगांव, गढ़ाकोटा, पथरिया केसली सहित अनेक नगरों से आए श्रावकों ने अपने-अपने नगरों में मुनि संघ के चातुर्मास हेतु निवेदन किया।दोपहर में श्रुत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया गया आचार्य संघ के सानिध्य में अनेक धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।इस अवसर पर परम पूज्य आचार्य श्री समय सागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा साक्षात तीर्थंकरों का दर्शन आज संभव नहीं है किंतु तीर्थंकरों की वाणी को आत्मसात करते हुए आत्म कल्याण करते हुए मोक्षमार्गियों को मार्ग प्रशस्त किए हैं। चतुर्विध संघ के नायक हैं वह उन्होंने जो मार्ग प्रशस्त किया है 50 -55 साल में जो प्रभावना की है उस प्रभावना का कथन करने के लिए हम लोगों के पास शब्द नहीं है। अभूतपूर्व प्रभावना उन्होंने की है। उन्होंने जो कार्य किया है विश्व कल्याण की भावना तीर्थंकरों में हुआ करती है वही भावना गुरुदेव में रही फल स्वरुप विशाल संघ का दर्शन आप लोग कर रहे हैं। सन 1976 में आचार्य महाराज संघ सहित कुंडलपुर आए यहां का वातावरण देखा पहाड़ के ऊपर नीचे मिलकर 62 जिनालय उनका दर्शन उनकी वंदना की। उसमें हम भी शामिल थे और उस समय क्षुल्लक अवस्था थी। वातावरण कैसा था उसका वर्णन भी हम नहीं कर पाएंगे किंतु उस समय जो कुंडलपुर का रूप था वर्तमान में जो आप लोग गगन को छूने वाले उत्तंग शिखर के साथ बड़े बाबा जिनालय का दर्शन भारतवर्ष के नहीं देश-विदेश के लोग यहां आकर के बड़े बाबा का दर्शन करते हैं। उनको लगता होगा यह सपना तो मैं नहीं देख रहा हूं।ऐसा अभूतपूर्व दृश्य देखने को मिलता।ऐसा सारा का सारा कार्य यह जो परिकल्पना उनकी रही है अद्भुत परिकल्पना है और उस परिकल्पना को उन्होंने साकार रूप दिया है और उनके हृदय के जो उदगार हैं उन उद्गारों को सुनकर के बुंदेलखंड के जो उनके अनन्य भक्त रहे उनके लिए आशीर्वाद जो उनका मिला है उसके फल स्वरुप ऐसी ऊर्जा प्रस्फुटित हुई है जिसके फल स्वरुप उनकी परिकल्पना को मूर्त रूप दिया है।आचार्य महाराज ने कुंडलपुर सिद्ध क्षेत्र को विशाल बनाने के लिए जो निर्माण उनका मंगलमय आशीर्वाद रहा है उनका पूरा-पूरा मार्गदर्शन रहा उनका निर्देशन रहा बीच-बीच में संकेत देते गए इतना ही नहीं जिस प्रकार सिद्ध क्षेत्र कुंडलपुर में जिनालय जो निर्मित हुआ है इसी प्रकार से सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र नेमावर में इसी प्रकार भव्य जिनालय का निर्माण उनके आशीर्वाद से संपन्न हुआ। **-महेंद्र जैन**

धर्म का बोध कराती जिनवाणी समाज की धरोहर : आर्यिका सृष्टिभूषण माताजी

जैन मंदिरों में मनाया गया श्रुतपंचमी महापर्व हुआ श्रुतस्कंधन विधान

ललितपुर (विश्व परिवार)। गुरू के प्रति श्रद्धा और शास्त्रों के स्वाध्याय द्वारा ही जीवन में संस्कार और प्रभु की आराधना का मार्ग प्रशस्त होता है। जिनवाणी का अध्ययन जितना अधिक होगा जीवन में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। जिनधर्म प्रभाविका आर्यिकारत्न सृष्टिभूषण माता जी ने उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा धर्म का मर्म हमें जिनवाणी के स्वाध्याय में ही मिलता है जिसका संरक्षण करना समाज का दायित्व है यह हमारी धरोहर है जिनके द्वारा हमें धर्म का बोध होता है। जिनवाणी ही हमारी पालनहार है।

नगर के पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अटामंदिर में श्रुतपंचमी महापर्व पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभु अभिषेक से हुआ इसके उपरान्त शान्तिधारा आर्यिका विश्वयश मति माता जी द्वारा की गई जिसका पुर्ण्याजन अनिल कुमार अक्षयकुमार अजय अलया, निर्मल कुमार प्रभात लागौन, धन्यकुमार अमित जैन चंदन सैदपुर एवं मनोज कुमार डॉ. पलाश सिंघई द्वारा किया गया। श्रुतस्कंधन विधान में सौधर्म इन्द्र शान्तिवाई अजय कुमार गंगचारी, माहेन्द्र रवीन्द्रकुमार राजीव कुमार खजरावाले, सुदीप कुमार निकेत मोहनी, मधुर समैया रहे। श्रावकों ने भगवान बाहुवलि वेदिका पर जिनवाणी विराजमान का पुर्ण्याजन किया। विधान आर्यिका माता जी के सानिध्य एवं पं. संतोष जैन अमृत के मार्गदर्शन में हुआ। श्रावकों ने मंचासीन आर्यिका सृष्टिभूषण माता जी, आर्यिका विजिज्ञस्सा माता जी आर्यिका विश्वयश मति माता जी को शास्त्र प्रदान कर आशीर्वाद ग्रहण किया। इस मौके जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ. अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, शीलचंद अनौरा, धन्यकुमार जैन एड कपूरचंद लागौन, चंचल पहलवान, डॉ. संजीव कडंकी, श्रीमति वीणा जैन, अनीता मोदी, अंजना अलया, डॉ. नीलम सर्राफ, किरण सतभैया सीमा बानपुर, उमा जेन सैदपुर आदि मौजूद रहे। **-अक्षय आलिया**

मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज संसघ का 13 जून को भोपाल में मंगल प्रवेश

विदिशा (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि आचार्य गुरूदेव श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक लोकप्रिय संत मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज का मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में 13 जून गुरुवार को मंगल प्रवेश सुनिश्चित हो चुका है। मुनिसंघ में पाठशाला प्रणेता मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज एवं शंका समाधान संचालक मुनि श्री संधान सागर जी महाराज एवं पांच छुल्लक तथा ब्रह्मचारी साथ में चल रहे हैं।

मीडिया प्रभारी अविनाश जैन ने बताया कि ज्ञान के मोती जन-जन में बिखेरने वाले, पल भर में शंकाओं के समाधान देने वाले एवं प्रभावशाली प्रखर वक्ता मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज दीक्षा पूर्व गृहस्थ नाम नवीन कुमार जैन के नाम से जन्मे 27 जून, 1967 को झारखण्ड के हज़ारीबाग में श्री सुरेंद्र कुमार जैन और श्रीमती सोहनी देवी जैन के घर में जन्मे मुनि श्री को वैराग्य नहीं हुआ बल्कि आचार्य श्री की एक झलक मात्र ने उनकी विचार धाराएं एवं जीवन का लक्ष्य ही बदल दिया। 4 मार्च 1984 को छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में सौभाग्यवश मुनि श्री को आचार्य श्री से ब्रह्मचर्य व्रत लिया, पढ़ाई-लिखाई में इतनी रूचि थी कि वे बहुत तर्क-वितर्क किया करते थे और तथ्यों का प्रमाण भी मांगते थे। इसलिए एक बार उन्हें आचार्य श्री ने उनको शंका के सागर कह दिया और उनको प्रमाण सागर नाम दे दिया। आपकी पहले क्षुल्लक दीक्षा हुई फिर ऐलक दीक्षा तथा मुनि दीक्षा महावीर जयंती पर सोनागिर तीर्थ क्षेत्र पर 31 मार्च 1988 को हुई, मुनि श्री ने जैन सिद्धांतों में छुपे वैज्ञानिक तथ्यों को अपनी सरल वाणी, प्रवचनों एवं साहित्य ज्ञान से समस्त दुनिया के जीवों का मार्ग-दर्शन करते हुये इन 36 वर्ष में सामाजिक एवं जीव दया के क्षेत्र में महती योगदान दिया है, मुनि श्री के हृदय में हर वर्ग, जाति-समुदाय के लोगों के लिए आपार वात्सल्य और करुणाभाव है। महाराज जी की पावन प्रेरणा से सम्मेद शिखरजी की तलहटी में गरीब, निर्धन, बेसहारा और अशिक्षित लोगों की सहायता के लिए सेवायतन बनाया गया है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ, शिक्षित एवं संस्कारी बनाना है। आपके माध्यम से दयोदय महासंघ का गठन हुआ जो कि संपूर्ण भारत में 150 से अधिक गौ शालाओं का संचालन कर लाखों पशुओं के प्राणों की रक्षा कर रहा है। आप हिंदी, संस्कृत, प्राकृत और अंग्रेजी भाषा के ज्ञाता हैं और अब तक 30 से ज्यादा जैन ग्रंथों की रचना कर चुके हैं। जैसे- जैन धर्म और दर्शन, जैन तत्व विद्या, सुखी जीवन की राह, चार बातें, भावना योग, मर्म जीवन का, दिव्य जीवन का द्वार, लक्ष्य जीवन का, घर को कैसे स्वर्ग बनाएं आदि, श्री सम्मेदशिखर में बनने बाला गुणायतन जैन सिद्धान्तों की प्रयोगशाला बनकर मानवमात्र के आत्मविकास का दिव्य द्वार सिद्ध होगा। मुनि श्री की अनूठी एवं आधुनिक देन भावना योग जो कि हमारे तन को स्वस्थ, मन को मस्त और आत्मा को पवित्र बनाने का अभूतपूर्व प्रयोग है। महाराज श्री देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी उतने ही विख्यात है। 2021 में हुए ऑनलाइन संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व धर्म की संसद में महाराज श्री ने भारत से जैन धर्म का प्रतिनिधित्व किया जिससे पूरा जैन समाज गौरवान्वित हुआ। इसी वर्ष ॠषिकुल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित वेबीनार में पर्यावरण एवं संस्कृति संरक्षण पर मुनि श्री ने अपने विचार प्रकट कर अनेक देशों के श्रोताओं को लाभान्वित किया।

-अविनाश जैन

भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज को डि-लिट डिग्री एवं साहित्य मनीषी अलंकरण समर्पित किया

तिजारा जी (विश्व परिवार)। श्रुत पंचमी महापर्व के पावन अवसर पर भावलिंगी संत जिनागम पंथ प्रवर्तक आचार्य श्री 108 विमर्शरसागर जी महामुनिराज को थेम्स यूनिवर्सिटी फ्रांस द्वारा आन्चार्य श्री की अभूतपूर्व मौलिक नवीन भाषा विमर्श एम्बिसा कृति पर डी. लिट्. की उपाधि समर्पित कर अप ?ना सौभाग्यवर्धन किया गया। एवं ग्लोबल भक्तामर ग्रुप द्वारा गुरुदेव के अनुपमेय कृतित्व को लक्ष्यकर आचार्य श्री को साहित्य मनीषी अलंकरण से अलंकृत किया गया।

आचार्य श्री 11 जून, मंगलवार की प्रात: बेला में श्रुतपंचमी महापर्व पर विमर्शसागर जी महामुनिराज के ससंघ सानिध्य में माँ जिनवाणी की आराधना की गई साथ ही गुरुवर की भी अर्चना भक्तों के द्वारा की गई। आराधना के उपरांत देशभर से पधारे विद्वत्वर्ग के द्वारा आचार्यश्री को डी. लिट् की उपाधि से एवं साहित्य मनीषी अलंकरण समर्पित किए गए। अलंकरण समर्पण की श्रृंखला में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अजित जी शास्त्री रायपुर, श्री संजय जी पंजाब, डॉ. नीरू जी पंजाब, श्री विभोर जैन जायना इण्डस्ट्रीज, डॉ. सरिता जी चैन्नई, डॉ. राशू जैन देहरादून एवं श्री मयंक जी, मनोजजी, ऋतुजी आदि विद्वत ?गण उपस्थित रहे।

जानें, क्या है विमर्श एम्बिसा एवं विमर्श लिपि : इतिहास में प्रथम बार किसी संत ने यह अद्भुत ङ्क अभूतपूर्व-महनीय कार्य किया है। आज तक किसी भी भाषा का किसी भी व्यक्ति ने सृजन नहीं किया, बोलचाल के प्रचलन में आकर स्वयमेव ही भाषा अपना रूप ले लेती है किन्तु भावलिंगी संत आचार्य है आचार्य श्री विमर्शसागर जी महामुनिराज ऐसे प्रथम दिगम्बर जिन्होंने स्वयं ही मौलिक रूप से पूर्णत: नवीन भाषा विमर्श एम्बिसा लिखकर समस्त साहित्य मनीषियों को आश्चर्य चकित कर दिया है। इस भाषा की सम्पूर्ण व्याकरण, शब्द, क्रिया, वाक्य आदि नवीन रूप में रचित है। इसी तरह ब्राह्मी लिपि, देवनागरी तेलग आदि लिपियों की भाँति आचार्य श्री ने सन् 2011 में पूर्णत: नवीन विमर्श लिपि का भी सृजनकर एक नयी चेतना जागृत की है। विद्वत ?वर्ग का कहना है कि निकट भविष्य में आचार्यश्री के इस सृजन कार्य को पाठ्यक्रम में भी रखा जा सकेगा।

श्रुत पंचमी पर्व पर गुरुवर ने दिया शुभाशीष : पृष्ठ स्वाध्याय का लें संकल्प आज श्रुतपंचमी महापर्व पर आप एक संकल्प अवश्य लेना कि मैं प्रतिदिन एक पृष्ठ का शास्त्र स्वाध्याय अवश्य करूंगी इस संकल्प से आप एक वर्ष में आसानी से एक बात हमेशा एक है ग्रंथ पूर्ण ध्यान रखना, जिनवाणी हमारी माँ है और माँ को आज आप शास्त्रदान की आगमिक परंपरा भूलते जा रहे कर सकते हैं। बन्धुओं कभी बेचा नहीं जाता हैं इसीकारण शास्त्र विक्रय की आगम बिरूस परंपरा बढ़ती जा रही है। अत: शास्त्र विक्रय से हटकर शास्त्रदान में आगे आये। **-विशु दीदी**

रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का हीरक जन्म जयंती हर्षोल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ

श्रुतपंचमी पर्व विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न

अयोध्या (विश्व परिवार)। श्री भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मन्दिर रायगंज जैन मंदिर में पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का 75वों हीरक जन्मजयंती महोत्सव अनेक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न किया गया सर्वप्रथम शास्त्रजी को पालकी में विराजमान करके बैंड बाजे के साथ पालकी यात्रा निकाली गई। वरिष्ठ जैन साध्वी भारतगौरव चारित्रचन्द्रिका गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी के ससंघ सानिध्य में पालकी यात्रा निकाली गई जिसमें सम्पूर्ण जैन साध्वियों एवं जैन शृद्धालुगण मस्तक पर शास्त्र रखकर चल रहे थे बैंड बाजे के साथ यात्रा निकाली गई। मुख्य मन्दिर में विराजमान अगवान ऋषभदेव की 31 फूट उत्तुंग प्रतिमा का पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया गया जिसमें जल व दूध से भक्तों ने प्रतिमा का अभिषेक किया इसी शृंखला में श्रुतपंचमी महापर्व के अवसर पर शास्त्र जिनवाणी का पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया गया जैन मान्यतानुसार 2000 वर्ष पहले आज ही के दिन शास्त्र लेखन का कार्य प्रारम्भ हुआ उससे पूर्व श्रुत की परम्परा नहीं थी एक से दूसरे व्यक्ति को सुनकर ही जान हो जाता था।

इस अवसर पर जैन मंदिर धर्म पीठ के पीठाधीश स्वस्तिश्री रवीन्द्रकीर्ति स्वामी का 75वों हीरक जन्मोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया जिसमें सर्वप्रथम ध्वजारोहण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ, ध्वजारोहण के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जम्बूप्रसाद जी जैन-गाजियाबाद एवं कुलाधिपति श्री सुरेश जैन-मुरादाबाद के कर कमलों से सम्पन्न हुआ। बाराबंकी महिला मंडल की महिलाओं के द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया गया एवं इस अवसर पर पूज्य ज्ञानमती माताजी ने अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि पौठाधीश सदैव निरोगी दीर्घायु एवं स्वस्थ रहे एवं देश व समाज को अपनी सेवाएँ देते रहें। धर्म की सेवा में जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया ऐसे महान साधक के लिए आशीर्वाद।

श्री विजय कुमार जैन मंत्री अयोध्या तीर्थक्षेत्र कमेटी ने बताया कि पीठाधीश रवीन्द्रकीर्ति के 75वें जन्मोत्सव पर एक अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन किया गया जिसका विमोचन आए हुए अतिथियों के द्वारा कराया गया इसी शृंखला में कुलाधिपति श्री सुरेशचंद जी ने अपने उद् ?गार व्यक्त किए एवं इन्दौर से आए हसमुख जी गाँधी के द्वारा विन्यांजलि समर्पित की गई न्यायमूर्ति श्री के. यू. चाँदीवाल-औरंगाबाद (महा.) स्वामीजी के लिए अपनी विन्यांजलि समर्पित की कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के अनेक पदाधिकारियों ने माल्यार्पण व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया एवं इस अवसर पर प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका श्री चंदनामती माताजी ने पूज्य स्वामी के दीर्घायु व शतायु होने का मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन श्री जीवन प्रकाश जैन-हस्तिनापुर ने किया। स्वामीजी ने पूज्य माताजी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया एवं माताजी के चरण प्रक्षाल किए। ब्रचारिणी बहनों ने स्वामीजी के मस्तक पर रजत पुष्प क्षेपण किए इसी शृंखला में 75 थाल मेवा मिष्ठान फल आदि के सभी लोगों में वितरित किए गए इस अवसर पर बाराबंकी, फतेहपुर, दरियाबाद, गाजियाबाद, दिल्ली, मेरठ, लखनऊ, औरंगाबाद, टिवैश्तनगर, महमूदाबाद आदि स्थानों से भक्तगण पधारे। कार्यक्रम के अन्त में पीठाधीश रवीन्द्रकीर्ति स्वामीजी का चरण प्रक्षाल संघपति श्री अनिल कुमार जैन-दिल्ली ने किया।

-नरेंद्र अजमेरा, पीयूष कासलीवाल

प्रकृति कभी भेद भाव नहीं करती समान रूप से अपनी ममता लुटाती चली जाती है : मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

अशोक नगर (विश्व परिवार)। प्रकृति कभी सृष्टि की वद्दुये नहीं लेती प्रकृति जव विद्रूप होती है तो आकाल अतिवृष्टि तूफान चक्रवात और नाना प्रकार की आपदाएं आने लगती है तो जनता उसे वद्दुआ देने लगती है उसके परिणाम स्वरूप प्रकृति अपनी ममता वात्सल्य भी लुटाने लगती है अपने वैभव से अच्छादित कर देती है घर के मुखिया का दुनिया की कोई भी शक्ति कुछ नहीं बिगाड़ा सकती यदि बिगाड़ सकती है तो उस मुखिया के अधीन रहने वाले परिवार की बद्दुआये भगवान कोभी बद्दुआ लगती है किसी भगवान की नही, भक्त की। गुरु को भी बद्दुआ लगती है तो गुरु के खुद के शिष्य की। अधीनस्थ व्यक्ति की बद्दुआ बहुत खतरनाक होती है उक्त आश्य केउद्गार मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज ने पथरिया में विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

अशोक नगर जैन समाज ने किया पाद प्रक्षालन, थूवोनजी कमेटी के साथ अशोक नगर समाज ने किया चातुर्मास का निवेदन

इसके पहले मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य गुरुदेव थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई सहित सभी शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत सहित सभी भक्त एक स्वर में निवेदन लेकर आये है कि इस वर्ष चातुर्मास का सौभाग्य दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी को मिले इस दौरान मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर किया गया। अशोक नगर जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा थूवोनजी कमेटी के महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल आडिटर राजीवचंदेरी मंदिर संयोजक मनोज रन्नौद मनीष सिघई रोहित सिंघई मनीष वरखेड़ा थूवोनजी के शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत गौरव टिंगू मिल शैलेन्द्र दददा महेश घमंडी मनोज भैसरवास युवा वर्ग अध्यक्ष सुलभ अखाई पवन वर्तन सचिन एन एस सहित अन्य भक्तों ने किया।

इसके पहले अशोक नगर जैन समाज एवं दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी खोजा खेड़ी दमोह पहुंची एवं परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ क्षुल्लक श्री गंभीर सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विरिष्ठ सागर जी महाराज क्षुल्लक श्री विदेह सागर जी महाराज को श्री फल भेंट कर थूवोनजी में चातुर्मास करने का निवेदन किया इस दौरान शिरोमणि संरक्षण संजीव श्रागर शालू भारत सहित अन्य भक्तों को पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ शाम को परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ ने पथरिया की ओर विहार करते हुए नगर प्रवेश किया इस दौरान दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी अशोक नगर जैन समाज ने मंगल विहार में सहभागिता की

मां संतान के लिए सब कुछ करती है : उन्होंने कहा कि माँ उसे कहते हैं जो अपने लिए नहीं, संतान के लिए सब कुछ करती है। प्रकृति भी एक ऐसी स्वभाविक रूप से माँ के रूप में प्रस्तुत है जो सदा समस्त जीवों को कुछ न कुछ रूप में उपकार करती है। हवाएं चलती हैं, पानी बरसता है तो जीव जीवित रहता है, यानी प्रकृति का कोई न कोई परिणमन कंही न कंही से जीव पर उपकार करता है। वह अपनी संतान के प्रति पक्षपात नहीं करती, करती है तो दोष माना जाता है जो प्रजा पालक हो या घर के पालक, कोई भी हो उनकी स्थिति इतनी निष्पक्ष होना चाहिए कि कोई भी ये न महसूस करे कि मेरे पास कम है इसके पास ज्यादा। यदि ऐसा महसूस होता है तो फिर बहुत बड़ा अभिशाप उस मातृशक्ति को लगता है। **-विजय धुर्रा**

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का हुआ भव्य समापन

बालबोध में भाविता जैन और छह ढाला में आभा जैन ने बाजी मारी

रत्नकरण्डक श्रावकाचार और इष्टोपदेश में अंशुल जैन रहीं प्रथम

भजन में एंजिल, कुर्सी दौड़ में मिष्ठी और पासिंग बॉल में पवित्र रहे अव्वल

तालबेहट/ललितपुर (विश्व परिवार)। आचार्य विद्यासागर महाराज की विनयांजलि एवं गुरू उपकार महामहोत्सव के अवसर पर आचार्य प्रवर समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद और तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रवण मुनि पुंगव सुधा सागर महाराज की मंगलमय प्रेरणा से दिगंबर जैन श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर (जयपुर) राजस्थान के तत्वाधान में कस्बे के वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में 9 दिवसीय श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का भव्य समापन हुआ।

सुबह पारस भैया बीना व अनिकेत भैया रमगढ़ा ने मंत्रोच्चार के मध्य अभिषेक-शांतिधारा की क्रियाएँ संपन्न करायी। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन विधान किया। धर्माबिलंबियों ने आचार्य श्री के चित्र का अनावरण कर ज्ञानदीप प्रज्वलित किया। मंगलाचरण अनमोल, अक्षरा एवं एनी जैन ने किया। अवनि एवं आन्या जैन ने पाठशाला और शिविर के प्रति आभार जताया एवं वक्ताओं ने श्रवण संस्कृति संस्थान सांगानेर के कृतित्व का प्रकाश डाला। संयोजक डॉ. आलोक मोदी शास्त्री एवं पं. मुकेश शास्त्री के निर्देशन में आयोजित शिविर में आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। रत्नकरण्डक श्रावकाचार एवं इष्टोपदेश में अंशुल जैन प्रथम, जितेंद्र जैन और नीतू जैन द्वितीय, पुष्पेंद्र जैन और राजुल जैन तृतीय रहीं। छह ढाला में आभा जैन प्रथम, अंजना जैन द्वितीय एवं अक्षरा जैन तृतीय रहीं। बाल बोध में भाविता जैन प्रथम, अवनि जैन द्वितीय और पवित्र जैन तृतीय रहे। मौखिक में भाविक प्रथम, आदित्य द्वितीय और आगम तृतीय रहे।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के अंतर्गत भजन में एंजिल प्रथम, निमिषा द्वितीय, प्राशी तृतीय कुर्सी दौड़ में मिष्ठी प्रथम, अवनि द्वितीय, वत्सल तृतीय और पासिंग बॉल में पवित्र प्रथम, अर्चित द्वितीय और भाविक तृतीय रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ पुरस्कार प्रदान किये गये। मंदिर समिति ने पारस भैया एवं अनिकेत भैया का शॉल श्रीफल और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। जिसमें सकल दिगम्बर जैन समाज का सक्रीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन विशाल जैन पवा ने किया। अंत में अनिल जैन बबीना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर बुधवार 12 जून 2024

संक्षिप्त समाचार

सर्चिंग के दौरान नौ नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर(विश्व परिवार)। सुरक्षाबलों को नक्सलियों के खिलाफबड़ी कामयाबी मिली है. सर्च ऑपरेशन के दौरान जवानों ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से 9 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई डीआरजी, कोबरा 205, सीआरपीएफ196 बटालियन की संयुक्त टीम ने की है. जानकारी के अनुसार, बीजापुर में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत क्षेत्र में सघन सर्चिंग किया जा रहा है. इस दौरान उसूर, नैमेड थाना क्षेत्रान्तर्गत कडेर और आवापल्ली के जंगलों में डीआरजी, कोबरा 205, सीआरपीएफ 196 बटालियन की संयुक्त टीम ने 09 माओवादियों मिलिशिया को गिरफ्तार किया गया. पकड़े गए माओवादी लंबे समय से माओवादी संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत थे. पकड़े गए 09 माओवादी क्षेत्र में मार्ग अवरुद्ध करने, ड्रुश्रष्ठ प्लांट करने, शासन विरोधी पम्पलेट, बैनर लगाने, हत्या, आगजनी जैसे घटना में शामिल है. सभी के विरुद्ध थाना उसूर और नैमेड में वैधानिक कार्रवाई के बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में पेश किया गया है.

मलेरिया मुक्त अभियान के 10वें चरण का हुआ शुभारंभ

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। दंतेवाड़ा जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के 10वां चरण का शुभारंभ 10 जून 2024 को ग्राम पंचायत भोगाम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामु राम नेताम, मोहन ठाकुर के द्वारा किया गया। अभियान के तहत 10 जून से 5 जुलाई तक दंतेवाड़ा जिले के सभी विकास खंडो में विशेष मलेरिया मुक्त अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अपील की गई है कि बुखार से संबंधित कोई भी शिकायत होने पर तुरंत निकट के स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करवाएं एवं मलेरिया व डेंगू की रोकथाम तथा इससे बचाव के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें। इसके अलावा घरों के आस-पास साफ-सफाई रखने, डेंगू तथा मलेरिया के मच्छरों की उत्पत्ति के कारक जैसे कूलर व पानी की खुली टंकियों की नियमित सफाई करने, फ्टे-पुराने टायर-ट्यूब, टूटे-फूटे मटके, बाल्टी, टीन एवं प्लास्टिक एवं कबाड़ के डिब्बे, घर के सजावटी गमलों, मनी प्लांट के पौट, फ्रीज के नीचे ट्रे जैसे सामानों पर पानी जमा न होने, प्रति दिन रात को सोते समय मच्छरदानी उपयोग करने की भी समझाईश दी गई है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.मंडल, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ विजय कर्मा, डॉ प्रियंका सक्सेना, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक जीवन नाग, बी.इ.टी.ओ बाल सिंह नेताम, राज देवांगन, सी पी पांडेय, भूपेंद्र साहू एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन मौजूद थे।

लूट के आरोपी दो घंटे में पकड़ाये

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। जिले के थाना बसंतपुर पुलिस ने लूट के मामले में आरोपी को दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया तथा आरोपी से लूट का मोबाईल तथा नदगी रकम बरादम किया है है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 09-06-2024 को प्रार्थी हितेश कुमार साहू पिता स्व0 शुभलाल साहू उम्र 24 साल ग्राम जेवरतला, देवरी जिला बालोद अपने ई-रिक्शा क्रमाक सीजी 08 स 4099 से मोहारा बायपास से होते हुए जेवरतला जा रहा था। इसी दौरान वह खंडेलवाल पेट्रोल पंप के पास पहुंचा था उसी समय एक्टिवा स्कुटी क्रमांक सीजी 08 क्रं. 4964 में सवार एक महिला व एक पुरूष मिले, उक्त एक्टिवा स्कुटी को पुरूष चला रहा था, जो अपनी एक्टिवा स्कुटी कों प्रार्थी के ई रिक्शा के सामने खड़े कर प्रार्थी से जबरदस्ती मारपीट कर गाली देते हुए प्रार्थी के पेंट के जेब में रखे मोबाईल एवं नगदी 2000 रूपये को लुट कर भाग गये। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बसंतपुर में धारा 294,323,392, 34 भादवि0 कायम किया तथा शिकायत के 02 घंटे के भीतर ही घटना में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तथा उनसे मोबाईल एवं रकम 2000 रूपये बरामद किया गया साथ ही लूट में इस्तेमाल स्कुटी को भी जब्त कर लिया गया। मामले में पुलि ने आरोपी राजेन्द्र राजपुत पिता स्व. भगत सिंह उम्र 28 साल निवासी दुर्गा चौक, थाना बसंतपुर जिला राजनांदगांव को गिरफ्तार किया है।

प्राक्कयन परीक्षा में शामिल हुए 1509 विद्यार्थी

धमतरी(विश्व परिवार)। शैक्षणिक सत्र 2024-25 प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा नवमीं में प्रवेश के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों का जिले में प्राक्कयन परीक्षा बीते दिन आयोजित किया गया। इसके लिए जिले में 6 परीक्षा केन्द्र मॉडल इंग्लिश स्कूल, मेनोनाईट इंग्लिश सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हटकेशर, स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोकुलपुर तथा मेनोनाईट हिन्दी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमतरी बनाया गया था।

अपने दायित्वों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सेवामुक्त होना बड़ी उपलब्धि: कमिश्नर

कमिश्नर ने सेवानिवृत्त वाहन चालक वीरेन्द्र ठाकुर को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया

जगदलपुर(विश्व परिवार)। शासकीय सेवा में आने के पश्चात आपसी तालमेल के साथ अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर सेवामुक्त होना बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह बात कमिश्नर बस्तर संभाग श्याम धावड़े ने सोमवार को कमिश्नर कार्यालय परिवार द्वारा आयोजित सेवानिवृत्त वाहन चालक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर की विदाई समारोह के दौरान उन्हें स्वस्थ एवं खुशहाल पारिवारिक जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं देते हुए कहा। कमिश्नर ने कहा कि शासन-प्रशासन में सभी अधिकारी-कर्मचारी एक-दूसरे के पूरक हैं जो आपसी समन्वय के साथ दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कमिश्नर कार्यालय में कार्यालयीन कामकाज के सम्पादन में बेहतर समन्वय को अनुकरणीय निरूपित किया। वहीं सेवानिवृत्त वाहन चालक वीरेन्द्र ठाकुर के अनुशासित ढंग से समय का पाबंद होकर कर्तव्य निर्वहन को प्रेरणास्पद बताया। इस अवसर पर कमिश्नर ने सेवानिवृत्त वाहन चालक वीरेन्द्र ठाकुर को शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपायुक्त बीएस सिदार और माधुरी सोम ने सेवानिवृत्त वाहन चालक वीरेंद्र ठाकुर के सहज-सरल स्वभाव की प्रशंसा करते हुए उन्हें सुखद जीवन की शुभकामनाएं दी। वहीं वरिष्ठ निज सहायक हरेन्द्र जोशी ने करीब 29 वर्ष से वीरेन्द्र ठाकुर के साथ काम करने का दीर्घकालिक अनुभव को स्मरणीय निरूपित करते हुए उनके मृदुभाषी व्यवहार की तारीफ की और उन्हें स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दी।

चोरी करने वाला एक नाबालिग गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। पिछले महीने डोंगरगढ़ थानाक्षेत्र के भीम नगर में हुए चोरी के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने दोस्तों के बीच पैसे खर्च करने के लिए चोरी की घटना को अंजाम दिया था। ममता इंदुरकर पति संदीप इंदुरकर उम्र 36 साल निवासी भीमनगर डोंगरगढ़ ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि दिनांक 01.05.24 से 27.05.24 के मध्य किसी अज्ञात आरोपी द्वारा सोने चांदी के जेवरात कुल किमती- 150000 रूपये को चोरी कर ले गया है कि रिपोर्ट पर धारा 380 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था तथा आरापी अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही थी। मामले में पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव मोहित गर्ग एवं अति पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व श्रीमान पुलिस अनुविभागीय अधिकारी महोदय डोंगरगढ़ आशिष कुंजाम से विवेचना हेतु दिशा-निर्देश प्राप्त करतत्काल निरीक्षक सीआर चन्द्रा द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुये लगातार पता तलाश किया जा रहा था। कि मुखबीर की सूचना पर संदेही नाबालिक लड़की एवं संदेही से पूछताछ करने जुर्म स्वीकार किये। जिसे पुछताछ करने पर पता चला कि दोनो में यारी दोस्ती होने व घुमने फिरने में खर्च करने हेतु पैसो की आवश्यकता होने के कारण सोने चांदी के जेवरात चोरी कर अपने दोस्त को देना जिसमें से कुछ सोने के समान को गिरवी रखना व कुछ समान को बेच देना बताया।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करें - कलेक्टर नम्रता

नगरी के सांकरा में 19, 20 जून को होने वाले निदान शिविर की तैयारी सुनिश्चित करें

धमतरी(विश्व परिवार)। कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी ने आज साप्ताहिक समय सीमा की बैठक लेकर बारी-बारी से विभागीय कार्यों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने समय सीमा के लंबित प्रकरणों को मुस्तैदी से निराकृत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सुबह 11 बजे से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक मे कलेक्टर ने प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत प्राथमिकता से किसान क्रेडिट कार्ड बनाने, किसान सम्मान निधि सहित योजना के तहत विभिन्न प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पीवीटीजी के तहत बसाहटों में आधार कार्ड वितरण के लिए कार्ययोजना तैयार करने कहा और ऐसे जनमन बसाहट जहां बिजली नहीं पहुंची उसकी जानकारी कलेक्टर ने ली। इसके अलावा कमार बसाहटों में युवाओं के कौशल विकास हेतु योजना बनाने कहा। साथ ही कमार बसाहटों में नशामुक्ति अभियान के तहत सभी विभागीय योजनाओं का लाभ देना सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए। उन्होंने जिले में खाद-बीज भण्डारण की जानकारी लेते हुए फसल बीमा के प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही शासन द्वारा अधिकृत भूमि का मुआवजा दिलाने के लिए उचित कार्यवाही करने कहा। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जी.आर.मरकाम सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर ने शाला प्रवेशोत्सव की तैयारी, मेधावी छात्रवृत्ति योजना, नोडल अधिकारी की नियुक्ति, मानसिक स्वास्थ्य का प्रशिक्षण, बच्चों की डायरी, जाति प्रमाण पत्र इत्यादि की जानकारी ली। उन्होंने शाला प्रवेशोत्सव की पूरी रूप-रेखा तैयार करने कहा। साथ शाला त्यागी बच्चों को पुन:स्कूल तक लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिक से अधिक स्कूली बच्चों को श्रम विभाग की योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कराने कहा। इसके साथ ही ऐसे छात्रावास जहां होमगार्ड नियुक्त नहीं है, वहां होमगार्ड की नियुक्ति करने कहा। साथ ही छात्रावासों में रहने वाले सभी बच्चों का स्वास्थ्य कार्ड बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मरीजों को दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सकों की उपस्थिति, सोनोग्राफी रिपोर्ट, सिकलसेल जांच, मगरलोड में ब्लड बैंक शुरू करने में आने वाली दिक्कत के बारे में पूछा।

शासन की मदद से पूरा हुआ पक्का मकान का सपना

जिले के ग्रामीणों को मिल रहा सपनों का आशियाना

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। रोटी कपड़ा और मकान प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकताओं में शामिल होती है। इनमें मकान मात्र ईंट-पत्थर का एक ढांचा नहीं होता बल्कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए एक सूकुन एवं सुरक्षा से जीवन जीने की शैली का प्रतीक होता है। इस क्रम में ग्राम पंचायत कुआकोंडा में भी ग्रामीणों को भी प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराकर उनके सपनों को साकार किया गया है, इन ग्रामीणों के चेहरे की चमक बताती है कि पक्का मकान निमार्ण जैसा बड़ा काम शासन की मदद से आसानी से पूरा हो गया। कुआकोंडा के ही निवासी गोवर्धन भी लाभार्थियों में से एक हैं। युं तो गोवर्धन भी पुर्णत: मजदूरी कर अपना गुजर बसर करते है। जाहिर है कच्चे मकान में रहने वाले गोवर्धन के लिए पक्के आवास की कल्पना हमेशा दुर की कौड़ी रही है। उनके कहे अनुसार कच्चे मकान की अलग समस्याएं होती है। कभी कच्ची छत एवं कच्चे दीवार की वजह से वर्षा के दिनों में हमेशा मकान ढहने का डर लगा रहता था। साथ ही पानी टपकने की समस्या एवं विषैले जीव जन्तु का खतरे से भी हमेशा दो-चार होना पड़ता था। इसके अलावा कच्चे घर की मरम्मत हर साल करनी पड़ती थी, परन्तु पंचायत के माध्यम से प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उसका पक्का मकान बन जाने से उसके जीवन में अब निश्चिन्तता आ गयी है और वह अपने तीन सदस्यीय परिवार के साथ एक सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है। आवास योजना के तहत उसे 1.30 लाख रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ।

इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिले में क्रेडा संचालित योजनाओं की समीक्षा की

सभी सोलर पंपों को क्रियाशील रखने के दिए निर्देश

बालोद(विश्व परिवार)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले में राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने क्रेडा के अधिकारियों को जिले में लगाए गए सभी सोलर पम्पों को ठीक-ठाक हालत में तथा क्रियाशील रखने हेतु समुचित उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, क्रेडा के सहायक अभियंता डीएस सिदार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर चन्द्रवाल ने सौर सुजला योजना अंतर्गत इस वर्ष की निर्धारित लक्ष्य की जानकारी ली। सहायक अभियंता डीएस सिदार के द्वारा राज्य में उपलब्ध कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता में वृद्धि करने एवं अविद्युतिकृत क्षेत्रों में कृषि की सिंचाई क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेश में सौर सुजला योजना प्रारंभ करने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत 3 एवं 5 एचपी क्षमता के सोलर पम्पों की स्थापना की जाती है। इस योजना अंतर्गत 90 से 95 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है। बैठक में कलेक्टर चन्द्रवाल ने जिले में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत स्थापित किए गए सोलर ड्यूल पंपों की भी समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने क्रेडा के द्वारा चैक-चैराहे में प्रकाश व्यवस्था हेतु लगाए गए सोलर हाई मास्क लाईट की स्थिति के संबंध में जानकारी ली।

सफलता की कहानी : जिले के ग्रामीणों को मिल रहा सपनों का आशियाना

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। रोटी कपड़ा और मकान प्रत्येक व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकताओं में शामिल होती है। इनमें मकान मात्र ईंट-पत्थर का एक ढांचा नहीं होता बल्कि यह किसी भी व्यक्ति के लिए एक सूकुन एवं सुरक्षा से जीवन जीने की शैली का प्रतीक होता है। इस क्रम में ग्राम पंचायत कुआकोंडा में भी ग्रामीणों को भी प्रधान मंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराकर उनके सपनों को साकार किया गया है, इन ग्रामीणों के चेहरे की चमक बताती है कि पक्का मकान निमार्ण जैसा बड़ा काम शासन की मदद से आसानी से पूरा हो गया। कुआकोंडा के ही निवासी गोवर्धन भी लाभार्थियों में से एक हैं। युं तो गोवर्धन भी पुर्णत: मजदूरी कर अपना गुजर बसर करते है। जाहिर है कच्चे मकान में रहने वाले गोवर्धन के लिए पक्के आवास की कल्पना हमेशा दुर की कौड़ी रही है। उनके कहे अनुसार कच्चे मकान की अलग समस्याएं होती है। कभी कच्ची छत एवं कच्चे दीवार की वजह से वर्षा के दिनों में हमेशा मकान ढहने का डर लगा रहता था। साथ ही पानी टपकने की समस्या एवं विषैले जीव जन्तु का खतरे से भी हमेशा दो-चार होना पड़ता था। इसके अलावा कच्चे घर की मरम्मत हर साल करनी पड़ती थी, परन्तु पंचायत के माध्यम से प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत उसका पक्का मकान बन जाने से उसके जीवन में अब निश्चिन्तता आ गयी है और वह अपने तीन सदस्यीय परिवार के साथ एक सुखमय जीवन व्यतीत कर रहा है। आवास योजना के तहत उसे 1.30 लाख रूपये का अनुदान प्राप्त हुआ। ग्राम पंचायत कुआकोंडा हमेशा से दुर्गम एवं संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में आवास निमार्ण सामग्री निमार्ण स्थल तक पहुंचने में कठिनाई होती है, साथ ही सामग्री परिवहन में भी अधिक व्यय लगता है।

अवैध रूप से रेत का उत्खनन, दो पोकलेन एवं 4 हाईवा जब्त

जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर राजस्व एवं खनिज अमले द्वारा की जाएगी कड़ी कार्यवाही

दंतेवाड़ा(विश्व परिवार)। कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु दिये गये निर्देश के परिपालन में राजस्व अमला एवं खनिज अमला द्वारा संयुक्त 09 जून को तहसील दंतेवाड़ा के ग्राम पंचायत बालूद का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण में ग्राम पंचायत बालूद क्षेत्र में अवैध रूप से खनिज रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहे 02 जेसीबी मशीन एवं 04 हाईवा को जप्त कर वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से कार्यालय कलेक्टर के परिसर में रखा गया है। इनमें वाहन मालिक राहुल लकड़ा निवासी आवापल्ली बीजापुर वाहन क्रमांक सीजी 18 क्यु 9591, शैलेश सेठिया निवासी भोगाम दंतेवाड़ा वाहन क्रमांक सीजी 18 आर 3099, अजय कुमार निवासी आरंगी वाहन क्रमांक सीजी 18 आर 5918, राजेश अन्ना निवासी भांसी दंतेवाड़ा वाहन क्रमांक सीजी 18 आर 6983, रवि नायक निवासी कनारापारा जगदलपुर वाहन टाटा हिताची ईएक्स 110 मशीन तथा सवन कुमार निवासी बालुद दंतेवाड़ा जेसीबी जेएस 205 मशीन शामिल है। इस क्रम में खनिज साधारण रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के कारण वाहन मालिकों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही किया जा रहा है। इसके अलावा तहसील दंतेवाड़ा के ग्राम पंचायत पोन्दूम का भी निरीक्षण दल द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान निरीक्षण में ग्राम-पोन्दुम निवासी सोमारू कवासी पिता पाण्डे कवासी द्वारा गौण खनिज साधारण रेत का अवैध रूप खनिज रेत का अवैध भण्डारण किया जाना पाया गया। जिस पर छ0ग0 खनिज (खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम 2009 के तहत् वाहन जप्ती की कार्यवाही किया गया। ज्ञात हो कि उपरोक्त सभी प्रकरणों में छ.ग. गौण खनिज नियम 2015 के नियम 71. खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 एवं छ.ग. खनिज (खनन, परिवहन तथा भण्डारण) नियम, 2009 के अंतर्गत दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी।

महतारी वंदन योजना से बदल रही ग्रामीण महिलाओं की जिंदगी

गरियाबंद(विश्व परिवार) राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में उठाया गया यह मजबूत कदम छत्तीसगढ़ की आधी आबादी के सपनों को पूरा करने की दिशा में बड़ी छलांग है। इस योजना से प्रदेश के लाखों महिलाओं के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। इस योजना के तहत राज्य शासन द्वारा अब तक चार किस्त जारी की जा चुकी है। इस योजना से जुड़े ऐसी कई कहानियां है, जो समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। जिले के छुरा विकासखंड के ग्राम खुडियाडीह निवासी 'एस कुमारी जगत' महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली राशि का उपयोग सुअर पालन के व्यवसाय में कर रही हैं। एस कुमारी जगत एक गृहणी है, जो मजदूरी करके अपना जीवनयापन करती है। इन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि से सुअर पालन के व्यवसाय में बढ़ोत्तरी कर रही है। एस कुमारी ने बताया कि ''यह योजना मेरे जैसे बहुत से महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई है। इस योजना के तहत मुझे चार किश्तों के रूप चार हजार रूपये मिल चुके है। जिससे मैं सुअर पालन व्यवसाय में वृद्धि कर हूँ। हालाकिं अभी इसे छोटे रूप में शुरू की हूँ लेकिन आने वाले समय में मैं इसका विस्तार करुँगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर बुधवार 12 जून 2024

व्यापार समाचार

स्टॉक मार्केट का नया किंग रिटेल निवेशक

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले कुछ वर्षों में बड़ी तेजी देखने को मिली है। इसके पीछे की वजह बाजार में रिटेल निवेशकों की संख्या में बढ़ोतरी होना है। रिटेल निवेशक बाजार में एक स्मार्ट निवेशक की तरह काम कर रहे हैं और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और अन्य बड़े निवेशकों से कहीं आगे दिखाई देते हैं। उदाहरण के लिए एग्जिट पोल के नतीजों के कारण 3 जून को शेयर बाजार में बड़ी तेजी हुई। एनएसई के डेटा के अनुसार, इस दिन रिटेल निवेशकों ने 8,588 करोड़ रुपये की बिकवाली की। वहीं, एफआईआई और म्यूचुअल फंड्स ने इस दौरान 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा निवेश किया था। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के दिन 4 जून को जब निफ्टी 5.9 प्रतिशत गिर गया। उस दौरान रिटेल निवेशकों ने 21,178 करोड़ रुपये की बंपर खरीदारी की थी। वहीं, इस दिन एफआईआई ने 12,511 करोड़ रुपये और म्यूचुअल फंड्स ने 6,249 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। 5 जून को रिटेल निवेशकों ने 3,006 करोड़ रुपये की खरीदारी की। वहीं, विदेशी निवेशकों की ओर से 6,481 करोड़ रुपये की बिकवाली की गई। हालांकि, इस दिन म्यूचुअल फंड्स ने 2,672 करोड़ रुपये का निवेश किया था। बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले हफ्ते बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन अब ये समझना होगा कि इस बुल मार्केट को रिटेल निवेशक और एचएनआई (हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल) लीड कर रहे हैं। एफआईआई की ओर से की जा रही बिकवाली को आसानी से रिटेल निवेशक खरीद रहे हैं। 4 जून को 21,179 करोड़ रुपये की खरीदारी रिटेल निवेशकों की ओर से की गई थी। इस ट्रेंड से ऐसा लगता है कि ये सिलसिला लंबे समय तक जारी रहेगा। भारत में एसआईपी का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है। औसत मासिक एसआईपी का आंकड़ा करीब 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

हायर इंडिया ने होम एस्थेटिक्स को फिर से परिभाषित किया: मॉडर्न किचन अपग्रेड के लिए मैट फिनिश स्टील डोर वाले ग्रेफाइट रेफ्रिजरेटर किए पेश

नईदिल्ली। लगातार 15 सालों से नंबर 1 वैश्विक प्रमुख उपकरण ब्रांड, हायर अप्लायंसेज इंडिया ने अपनी ग्रेफाइट सीरीज का अनावरण किया है। यह स्टील डोर रेफ्रिजरेटर की एक प्रीमियम रेंज है, जिसमें मैट फिनिश और आधुनिक डिजाइन है, जो भारतीय घरों के एस्थेटिक्स को बढ़ाती है। यह सीरीज 205 से 602 लीटर तक की क्षमता में उपलब्ध होगी, जो विभिन्न भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करेगी, जिससे यह हर भारतीय घर के लिए उपयुक्त है। प्रीमियमाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नए रेफ्रिजरेटर की रेंज में एक स्मूथ मैट फिनिश डिजाइन है, जो आधुनिक भारतीय घरों में सहजता से मिश्रण करता है और समकालीन सुंदरता के साथ किचन के स्पेस को ऊंचा करता है। यह सीरीज डायरेक्ट कूल, टॉप-माउंटेड, बॉटम-माउंटेड, 2-डोर साइड-बाय-साइड, और 3-डोर साइड- बाय-साइड सहित कई कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है। हायर ने अपने क्रांतिकारी 3-डोर वाईफाई कन्वर्टिबल साइड बाय साइड रेफ्रिजरेटर की रेंज में भी मैट फिनिश सीरीज को पेश की है, जिससे उपयोगकर्ता हाइस्मार्ट ऐप का उपयोग करके कहीं से भी फ्रीजर सेक्शन को फ्रिज में बदल सकते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेजिडेंट, श्री एनएस सतीश ने कहा, ×स39;×स39;हायर में, हमारी स्थायी प्रतिबद्धता ग्राहक-प्रेरित अभिनव समाधान प्रदान करने के इर्द-गिर्द घूमती है जो देश भर में रोजमर्रा की जिंदगी को समृद्ध बनाती है। हमारा रणनीतिक फोकस व्यापक अनुसंधान, अत्याधुनिक तकनीकों और अत्यधिक कुशल निर्माण प्रक्रियाओं के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में सर्वोत्तम श्रेणी के उत्पादों को पेश करने पर केंद्रित है। दो दशकों से अधिक समय से भारतीय बाजार में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के बाद, हमारी ग्रेफाइट सीरीज का लॉन्च प्रीमियम नवाचार और डिजाइन का सही संयोजन पेश करके उपभोक्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपभोक्ताओं की बढ़ती जरूरतों को पहचानते हुए, हम ऐसे उपकरणों की पेशकश करने के अपने प्रयास में दृढ़ हैं जो सौंदर्य संबंधी उत्कृष्टता के साथ दक्षता को जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि हमारी नई रेंज प्रीमियम अनुभव प्रदान करेगी, जो हमारे ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाएगी।

राहुल द्रविड़, जसप्रित बुमराह और सूर्य कुमार यादव ने YiPPee! के नवीनतम अभियान YiPPee Toss!' को लॉन्च किया

नईदिल्ली। क्रिकेट के उत्साह के बीच, इंटरनेट पर जसप्रीत बुमराह और सूर्य कुमार यादव द्वारा अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'The Toss' के बारे में शेयर किए गए रहस्यमय पोस्ट के बारे में जानने की उत्सुकता बढ़ गई। दिलचस्पी तब और बढ़ गई जब खिलाड़ियों की पत्नियों ने भी तुरंत इसके बारे में इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने यह जानने की इच्छा व्यक्त की कि टॉस आखिर है क्या? लोगों के अलग अलग अनुमान के साथ, इस बातचीत ने सबका ध्यान खींचा और इसे सोशल मीडिया पर लाखों बार देखा गया, जिससे यह वायरल हो गया। इंटरनेट पर यह जानने की उत्सुकता बनी रही कि क्रिकेटर किस बारे में 'टॉस' कर रहे हैं, ब्रांड Sunfeast YiPPee! ने इंस्टाग्राम पर अपने नवीनतम अभियान 'YiPPee Toss' का खुलासा किया, जिससे 'The Toss' के पीछे की कहानी लोगों को पता चली। आईटीसी लिमिटेड का एक प्रमुख इंस्टेंट नूडल और पास्ता ब्रांड, Sunfeast YiPPee! एक नए अभियान के साथ वापस आ गया है जिसमें देश के सबसे पसंदीदा क्रिकेटर्स – राहुल द्रविड़, जसप्रीत बुमराह और सूर्य कुमार यादव को दिखाया गया है। यह मजेदार अभियान टॉप क्रिकेटर्स की लोकप्रियता को एक मजेदार अंदाज में पेश करता है और यिप्पी! नूडल्स के यूनिक क्वालिटी के बारे में बताता है जो लंबे और नॉन-स्टिकी हैं। हाल ही में लॉन्च किए गए टीवीसी में द्रविड़, बुमराह और 'स्काई' को मजेदार अंदाज में दिखाया गया है, जिसमें वे 'YiPPee Toss' के साथ यिप्पी! नूडल्स का इस्तेमाल करके दोस्ताना नोकझोंक को मजेदार तरीके से सुलझाते हैं। यह लंबे और नॉन-स्टिकी नूडल्स के ब्रांड के मुख्य यूएसपी पर एक अभिनव नाटक है।

मुश्किल समय में गेंदबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ धैर्य बनाए रखा : बुमराह

न्यूयॉर्क(एजेंसी)। टी20 विश्व कप में अपने 4 ओवर में मात्र 14 रन पर तीन विकेट लेने वाले भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पाकिस्तान के खिलाफ गेंदबाजों के प्रदर्शन की सराहना की है। जसप्रीत बुमराह ने अपने चार ओवरों में 14 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें 15 डॉट बॉल शामिल थे। पाकिस्तान को सिर्फ 36 गेंदों पर 40 रन चाहिए थे, बुमराह ने अच्छी तरह से सेट मोहम्मद रिजवान को आउट कर भारत की जीत मुमकिन की। इसके बाद 119 रन का पीछा कर रही पाकिस्तान की टीम 7 विकेट पर 113 रन ही बना पाई। बुमराह ने मैच के बाद कहा, हमारे लिए सबसे अच्छी बात यह रही कि हम कूल रहे। जब हम सुबह बल्लेबाजी कर रहे थे तो गेंदबाजों

को मदद मिल रही थी। लेकिन जब हम गेंदबाजी करने आए, तो गेंद सीम नहीं कर रही थी। इसलिए, हमें अधिक स्टेबल और सटीक होना था। हम एक इकाई के रूप में बहुत शांत और स्पष्ट थे कि हम क्या करना चाहते हैं। इसलिए, हम बहुत खुश हैं कि एक टीम के रूप में हम योगदान करने में सक्षम थे और उस दबाव को बनाया और फिर हम जीत हासिल करने में सक्षम हुए। पिछले साल बुमराह पीठ की चोट से उबर रहे थे, जिसके कारण वो टी20 विश्व कप 2022 से बाहर थे और घरेलू धरती पर वनडे विश्व कप 2023 में उनके खेलने पर भी संदेह था। लेकिन अब बुमराह अपनी बेहतरीन फॉर्म में हैं और भारत को मैच जिताने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बुमराह ने हार्दिक पांड्या, मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह की भी तारीफ की, जिन्होंने भारत को पाकिस्तान के खिलाफ जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा, एक गेंदबाजी इकाई के तौर पर हमें अपनी गेंदबाजी पर बहुत गर्व है। हम खुद को बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं और जितना हो सके टीम की मदद करने की कोशिश करते हैं। इसलिए हम बहुत खुश हैं कि हम इस मैच में ऐसा करने में सफल रहे।

बुमराह ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, एक साल पहले यही लोग कह रहे थे कि मैं शायद दोबारा नहीं खेल पाऊंगा और मेरा करियर खत्म हो जाएगा। लेकिन मैं इस पर गौर नहीं करता। जहां तक मेरा सवाल है, मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से गेंदबाजी करने की कोशिश कर रहा हूं। मैं अपने सामने मौजूद समस्या का समाधान और चीजों पर नियंत्रण करने की कोशिश करता हूं।

भारतीय हॉकी टीम ने बेहतरीन टीम वर्क दिखाया : हरमनप्रीत

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ एफआईएच प्रो लीग 2023-24 में अपने अभियान का अंत किया। इसमें 5 जीत, 5 हार और छह ड्रॉ शामिल हैं। वर्तमान में भारत अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। इस टूर्नामेंट में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, भारत, नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन और आयरलैंड सहित 9 टीमों ने भाग लिया। एफआईएच प्रो लीग 2023-24, तीस जून तक जारी रहेगा लेकिन भारत ने रविवार को अपना 16वां और अंतिम मैच खेला, जिससे उसके एक प्रतिस्पर्धी और महत्वपूर्ण सीजन का समापन हुआ। टीम के प्रदर्शन पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, एफआईएच प्रो लीग 2023-24 हमारे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। नीदरलैंड 2-2 (4-2 शूटआउट), अर्जेंटीना (5-4) और जर्मनी (3-0) जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ हमारी कुछ जीत हमारी टीम की कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प को उजागर करती है। हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा टीम वर्क दिखाया है। भारत के कप्तान एक स्टार परफॉर्मर के रूप में उभरे और भारत के लिए टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रहे। अपने नाम 12 गोल के साथ, वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया के ब्लेक गोवर्स और नीदरलैंड के जिप जानसेन के साथ टूर्नामेंट के संयुक्त प्रमुख गोल करने वाले खिलाड़ी भी हैं। हरमनप्रीत ने आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए इस टूर्नामेंट के महत्व पर भी जोर दिया।

बोहरडीह गांव में वर्षा जल संचयन और बारहमासी जल आपूर्ति को बढ़ाने के लिए एसीसी चिल्हाटी साइट पर अदाणी फाउंडेशन ने 7 तालाबों को जोड़ा

बिलासपुर (समय दर्शन)। विविध कारोबार वाले अदाणी पोर्टफोलियो की सीमेंट और निर्माण सामग्री कंपनी एसीसी लिमिटेड, जल संरक्षण को बढ़ावा देने और अपने परिचालन वाले ग्रामीण समुदायों के लिए जल पहुंच बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। एसीसी ने अदाणी फाउंडेशन के साथ मिलकर हाल ही में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एसीसी चिल्हाटी स्थल के पास बोहारडीह गांव के निवासियों के लिए वर्षा जल संचयन बढ़ाने के लिए मौसमी तालाबों को जोड़ने और तालाब की मेड़ जोड़ने के लिए 'सप्त सरोवर' परियोजना पूरी की है। मस्तूरी तहसील के बोहारडीह गांव में सात ऐसे उथले तालाब थे, जिनके किनारे क्षतिग्रस्त हो जाते थे और मानसून के दौरान ओवरफ्लो हो जाते थे। इसके कारण, शुष्क महीनों के दौरान, तालाब अपनी पूरी क्षमता के साथ पानी को संग्रहीत करने में सक्षम नहीं होते थे, जिससे इस ग्रामीण समुदाय के दैनिक जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ता था। साथ ही, मवेशियों के सामने भी जल संकट उत्पन्न होता था और फसलों के लिए भी पानी की कमी हो जाती थी। इस गंभीर मुद्दे की पहचान करते हुए एसीसी की सीएसआर टीमों ने न केवल तालाबों की जल धारण क्षमता बढ़ाने के लिए, बल्कि ग्रामीणों के लिए पानी की बारहमासी आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक समेकित समाधान पर निर्णय लिया। इस मिशन के साथ, इन सात तालाबों को गहरा करने के लिए 1.32 लाख क्यूबिक मीटर मिट्टी खोदी गई। इन बांधों का कुल क्षेत्रफल 33,000 वर्ग मीटर है। इस परियोजना के जरिये लगभग 1,200 ग्रामीणों को दैनिक उपयोग के लिए बारहमासी जल पहुंच का प्रावधान हो सकेगा।

हिंडाल्को की पहल से हुनरमंद होंगी तमनार की महिलाएं

रायगढ़। देश की अग्रणी कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने जिले के तमनार प्रखंड के मिलूपारा गांव में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रिपा) परियोजना का शुभारंभ किया। इस परियोजना का उद्घाटन हिंडालको के बिजनेस हेड श्री कैलाश नाथ पांडेय द्वारा किया गया। इस परियोना के तहत हिंडालको के सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा यहाँ पर कोकून से कोसा धागा बनाने का प्रशिक्षण ग्राम की महिलाओं को दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद इन महिलाओं द्वारा बनाए गए कोसा धागा का मार्केट लिंकज भी हिंडाल्को द्वारा कराया जाएगा, जिससे इन्हें आजीविका का साधन मिल सके और वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। इस परियोजना के तहत मिलूपारा और आस-पास के विभिन्न गांवों की 20 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और अभी भी 15 महिलाओं के एक और बैच का प्रशिक्षण चल रहा है। तमनार विकासखंड के मिलुपारा गाँव में राज्य सरकार, हिंडालको के सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रिपा) परियोजना का शुभारंभ महिलाओं के लिए आर्थिक रूप से संपन्न होने का मार्ग खोलेगा। इस परियोजना में राज्य सरकार की ओर से इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क और लाइट की व्यवस्था की गई है। हिंडालको के सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी विभाग द्वारा यहाँ पर कोकून से कोसा धागा बनाने का प्रशिक्षण ग्राम की महिलाओं को दिया जा रहा है। इन महिलाओं को प्रशिक्षित करने के पश्चात इनके द्वारा बनाए गए कोसा धागे का उपयोग कोसाला में कोसा के विभिन्न प्रकार के आइटम्स जैसे साड़ी, दुपट्टा, कुर्ता, मोबाइल कवर, लैपटॉप बैग्स आदि बनाने में किया जाएगा। इस अवसर पर हिंडाल्को जीपी माइंस के युनिट हेड राजीव कुमार, एचआर हेड, प्रेम कुमार सिंह, रंजना नाग, जिप्सी सिद्धांता दिलबंधु चौहान, राजेश प्रधान, राम कुमार, आलोक बेहरा आदि उपस्थित थे।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने कुशाक ओनिक्स में ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की पेशकश की

नईदिल्ली। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपने उत्पाकदों में नए-नए प्रयोग करने की रणनीति को लगातार बरकरार रखते हुए, अपनी 5 स्टार सुरक्षित गाड़ियों में एक और अपग्रेड किया है। कंपनी ने कुशाक ओनिक्स एटी को लॉन्च किया है। स्कोडा के फैंस और उपभोक्ताओं को संतुष्टि तथा पैसा वसूल उत्पादि प्रदान करने के उद्देश्य के साथ ओनिक्स को 2023 की पहली तिमाही में मूल रूप से लॉन्च किया गया था। अब स्कोडा ऑटो इंडिया ने उपभोक्ताओं से मिले ताजा फीडबैक के आधार पर कुशाक ओनिक्स का अपग्रेडेड वर्जन लॉन्च किया है। इसमें ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन समेत कई नए फीचर्स हैं, जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे किफायती ऑटोमैटिक एसयूवी बनाते हैं।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कार में किए गए अपग्रेडेशन के बारे में कहा, ओनिक्स वैरिएंट हमारे लाइन-अप में एक महत्व पूर्ण संकलन है। इसमें एक्टिव ट्रिम की वैल्यू के साथ हायर वैरिएंट्स के कई फीचर्स शामिल किए गए हैं। उपभोक्ताओं से मिले फीडबैक के आधार पर इस नई कुशाक ओनिक्स को लॉन्च किया गया है, जो ज्यादा किफायती और उचित मूल्य पर ऑटोमैटिक कार की बढ़ती मांग की ओर इशारा करती है। दरअसल जिस कीमत पर कुशाक को उपभोक्ताओं को पेश किया गया है, वह इस पूरी श्रेणी में सबसे किफायती एसयूवी बनाता है। इस एसयूवी के माध्यम से उपभोक्ताओं को किसी भी परेशानी से मुक्त मालिकाना हक की पेशकश की जाती है। हमारा प्रयास लगातार अपने उपभोक्ताओं के करीब जाना और उनकी बात सुनना है और यह हमारे विकास की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ओनिक्स एटी पहले लॉन्च की गई ओनिक्स की तरह, स्कोयडा की सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी के मौजूदा एक्टिव और एंबिशन वैरिएंट्स के बीच की गाड़ी है। कुशाक ओनिक्स के बाहरी भाग में एंबिशन वैरिएंट्स के फीचर्स की झलक मिलती है। इसमें से एक डीआरएल के साथ स्कोडा क्रिस्टलीन एलईडी हेडलैंप्स हैं। एसयूवी के फ्रंट फॉग लैंप्स से ज्यादा दृश्यता और सुरक्षा मिलती है। कार को मोड़ते समय कार के टर्न की दिशा में जगमगाती रोशनी मिलती है, जिससे कार को मोड़ते समय उपभोक्ताओं को स्पष्ट रूप से अन्य गाड़ियां दिखती है। एसयूवी के पिछले हिस्से में वाइपर और डिफॉगर है। इस बदलाव के साथ स्कोडा ऑटो इंडिया में टेक्टन व्हील कवर और बी-पिलर्स में ओनिक्स का बैज बरकरार रखा गया है। ओनिक्स एटी के केबिन में कई महत्व पूर्ण अपडेट्स किए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा उपयोगी और टॉप के फीचर्स में हिल होल्ड कंट्रोल और पैडल शिफ्टर्स शामिल हैं। ड्राइवर को अब क्रोम स्कोलर के साथ 2 स्पोक, मल्टी फंक्शन, लेदर स्टीरियंग व्हील मिलती है। केबिन में स्कोडा क्लाइमाट्रोनिक के साथ टच पैनल भी है। इसके फ्रंट में स्क्रफ प्लेट में ओनिक्स लिखा हुआ है। इस कार को खरीदने वाले उपभोक्ताओं को केबिन में स्टैंडर्ड ओनिक्स थीम के कुशन और टेक्सटाइल मैट भी मिलती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2
(छत्तीसगढ़)

ई- प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
(द्वितीय आमंत्रण)

दिनांक 07.06.2024

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाइन निविदा 'डी' श्रेणी एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है. ऑनलाईन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 21.06.2024 है.

एन.आई.टी. क्र./ निविदा क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT No. 256 Tender No. 154635	भागवत चंद्राकर के घर से शंकर मंदिर रामसागर तालाब कुरुद में सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य.	रु. 21.70 लाख
NIT No. 257 Tender No. 154637	कुरुद सुलभ शौचालय से मुक्तिधाम डबरा पारा तक सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य	रु. 21.61 लाख
NIT No. 258 Tender No. 154638	कुरुद सुलभ शौचालय रामसागर तालाब तक सीमेंट कांक्रीट पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य.	रु. 21.61 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है. (राशि रु. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ- पत्र एवं न्यूनतम राशि रु. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिडकेपेसीटी उपलब्धता बाबत् जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें.)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा.

G- 242500137/1

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., रायपुर मण्डल
क्र.2 (छ.ग.)

आपकी थी चाह हमने बनाई राह

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, बुधवार 12 जून 2024

आदिम जाति मंत्री आज प्रयास आवासीय विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा करेंगे

रायपुर (विसं)। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक विकास मंत्री श्री राम विचार नेताम कल दोपहर 01 बजे मंत्रालय महानदी भवन स्थित कक्ष क्रमांक एस-02-12 में संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर प्रयास आवासीय विद्यालयों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। गौरतलब है कि प्रयास आवासीय विद्यालय प्रधानमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

कीर्तिशेष संपादक प्रवीण जैन को श्रद्धांजली

रायपुर (विश्व परिवार)। दैनिक विश्व परिवार के संपादक कीर्तिशेष प्रवीण जैन, झांसी के गत माह आकस्मिक देवलोक गमन पर आज रायपुर स्थित विश्व परिवार निजालय मे पधारकर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति श्री बल्देव भाई शर्मा ने अपनी हार्दिक विनयांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर श्री शर्मा ने प्रवीण जैन को पत्रकारिता का सशक्त हस्ताक्षर बताते हुए उनके अल्प समय मे दिवंगत हो जाना एक अपूरणीय क्षति बताया।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री शहीद पं. विद्याचरण शुक्ल को 11वीं पुण्यतिथि पर अमितेश शुक्ल, शैलेश नितिन त्रिवेदी, आकाश तिवारी, कुमार मेनन ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। आज पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को उनकी 11 वीं पुण्यतिथि पर राजधानी शहर में नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के सामने नगर निगम उद्यान परिसर स्थित उनकी मूर्ति के समक्ष नगर निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर निगम जोन क्रमांक 4 के सहयोग से रखे गए संक्षिप्त आयोजन में पहुंचकर मुख्य रूप से प्रदेश के पूर्व मन्त्री श्री अमितेश शुक्ल, छग पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री शैलेश नितिन त्रिवेदी, रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री आकाश तिवारी, एमआईसी सदस्य श्री कुमार मेनन, श्री सुन्दर लाल जोगी, पूर्व पार्षद श्री रियाज अहमद, श्री मनोज कन्दोई सहित नगर के गणमान्य जनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों ने मूर्ति स्थल पर पहुंचकर पूर्व केन्द्रीय मन्त्री शहीद पण्डित विद्याचरण शुक्ल को उनकी 11 पुण्यतिथि पर सादर नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की.

उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र को किया संबोधित

सड़क और पुल-पुलिया निर्माण की नई तकनीकों के ज्ञान से अभियंताओं की बढ़ेगी दक्षता : अरुण साव

आईएएचई और पीडब्लूडी द्वारा चार दिवसीय प्रशिक्षण का किया गया है आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सड़क और पुल-पुलिया निर्माण की नई तकनीकों के ज्ञान से अभियंताओं की दक्षता बढ़ेगी। इस प्रशिक्षण के माध्यम से वे पुलिया तथा लघु एवं मध्यम पुलों की डिजाइन, निर्माण व रखरखाव की नई और आधुनिक तकनीकों से रू-ब-रू होंगे। राज्य में पुलिया तथा लघु एवं मध्यम पुलों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित करने में इससे मदद मिलेगी।राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग और केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के भारतीय राजमार्ग अभियंता अकादमी द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में लोक निर्माण विभाग के रायपुर और दुर्ग संभाग के अभियंताओं के लिए इस चार दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। इसमें दोनों संभागों के विभागीय उप अभियंताओं, सहायक अभियंताओं, कार्यपालन अभियंताओं और अधीक्षण अभियंताओं को पुलिया तथा लघु एवं मध्यम पुलों की डिजाइन, निर्माण, रखरखाव और मरम्मत के साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण की बारीकियों की जानकारी दी जा रही है। विभिन्न संस्थाओं और निर्माण एजेंसियों के विषय विशेषज्ञ उन्हें इनका प्रशिक्षण दे रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव ने अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। व्यक्ति जब तक काम करता है, लगातार सीखता रहता है। समय के साथ कार्यक्षेत्र की जरूरत बदलती है, नई तकनीकें आती जाती हैं। इनके अनुरूप हमें भी अपडेट होना पड़ता है। तभी हमारी उपयोगिता और प्रासंगिकता रहती है। उन्होंने कहा कि आज सड़कों पर लगातार ट्रैफिक बढ़ रहा है, तेज रफ्तार वाली गाड़िया भी आ गई हैं। इन्हें ध्यान में रखते हुए सड़क और पुल-पुलियों के निर्माण में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन जरूरी है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए डीपीआर, टेंडर एग्रीमेंट, गुणवत्ता का निरीक्षण व नियंत्रण तथा कार्यों का भुगतान लोक निर्माण विभाग करता है। इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, सुरक्षा मानक और समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करना भी विभाग की जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि विभागीय अभियंता इस प्रशिक्षण के दौरान देश-दुनिया की नई तकनीकों और नए मानकों से रू-ब-रू होंगे और उन्हें फील्ड में अमल में लाएंगे। इस प्रशिक्षण से हमारे अभियंताओं की योग्यता, कार्यकुशलता और दक्षता में बढ़ोतरी होगी। श्री साव ने इस वृहद प्रशिक्षण के आयोजन के लिए आईएएचई को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर व निगम आयुक्त ने सोनडोंगरी में निर्माणाधीन डॉग शेल्टर का किया निरीक्षण

बाउंड्रीवाल से लगकर चारों ओर सघन वृक्षारोपण करने, डॉग क्रीमेटोरियम की व्यवस्था रखने, जुलाई के अंतिम सप्ताह तक डॉग शेल्टर का कार्य पूर्ण करने के दिये निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह ने नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा सहित सोनडोंगरी में निर्माणाधीन डॉग शेल्टर के कार्य की प्रगति का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया. रायपुर जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने डॉग शेल्टर परिसर में बाउंड्रीवाल से लगकर शीघ्र सघन वृक्षारोपण अभियान पूर्वक समाज हित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से करवाने के निर्देश दिये. रायपुर जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने डॉग शेल्टर में श्वानों की अंतिम संस्कार क्रिया हेतु डॉग क्रीमेटोरियम की व्यवस्था रखवाना सुनिश्चित करने के निर्देश नगर निगम जोन क्रमांक 8 के कार्यपालन अभियंता श्री अभिषेक गुप्ता को दिये. रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह एवं निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा के निरीक्षण के दौरान जोन 8 कार्यपालन अभियंता श्री अभिषेक गुप्ता ने बताया कि सोनडोंगरी में निर्माणाधीन डॉग शेल्टर में एक साथ 50 श्वानों को रखने की व्यवस्था रहेगी. पशु चिकित्सक, उनके स्टॉफ, ऑपरेशन थिएटर, सहित सभी व्यवस्थायें शासकीय पशु चिकित्सालय की तर्ज पर रहेंगी. रायपुर जिला कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने डॉग शेल्टर के कार्य को तेजी के साथ कार्य करवाते हुए माह जुलाई 2024 के अंतिम सप्ताह तक पूर्ण करवाने के निर्देश दिये हैं.

दो दिलों का एक सफर : सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स का खूबसूरत ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन 2024 'प्यार का गठबंधन' लॉन्च

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के प्रमुख ज्वेलरी रिटेलर, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स को लगातार चौथे वर्ष टीआरए की ब्रांड ट्रस्ट रिपोर्ट 2024 में भारत के दूसरे सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांड के रूप में नामित किया गया है। इस तर्ज पर आगे बढ़ते हुए, 80 वर्षों से अधिक की विरासत और 159 से अधिक स्टोर्स की ख्याति वाले इस ब्रांड ने अपना नया प्यार का गठबंधन 2024 ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन लॉन्च किया है। इस कलेक्शन की प्रत्येक ज्वेलरी सदाबहार है, जो कभी खत्म न होने वाले शाश्वत प्रेम को बयाँ करती है और हमेशा एक साथ रहने के वादे की प्रतीक है। ग्राहक https://sencogoldanddiamonds.com/ पर विशेष गठबंधन कलेक्शन देख सकते हैं। गठबंधन की परिभाषा शादी की रस्मों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह उस प्यार का प्रतिनिधित्व करती है, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी सबसे अच्छी यादों के रूप में साथ-साथ चलेगा। https://sencogoldanddiamonds.com/. यह कलेक्शन एक गाँठ के माध्यम से प्यार के खूबसूरत सफर, स्नेह से भरी नज़रें, मीठी-सी मुस्कान, हर दिन एक-दूसरे की देखभाल के भाव और अच्छे एवं बुरे समय में साथ चलने वाले सच्चे हमसफर के रूप में दो दिलों और भाग्य को एक साथ बाँधता है।

'प्यार का गठबंधन' ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, सुश्री जोइता सेन, डायरेक्टर और हेड- मार्केटिंग एवं डिज़ाइन, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स, ने कहा, सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स अपने खूबसूरत हेंडीक्राफ्ट ब्राइडल ज्वेलरी कलेक्शन, गठबंधन की पेशकश के माध्यम से प्यार की नई परिभाषा बुन रहा है। भारत की तमाम दुल्हनों के लिए डिज़ाइन किया गया यह कलेक्शन अनूठी परंपराओं और प्राथमिकताओं को दर्शाता है। गठबंधन, सेंको की ओर से उन सभी नए रिश्तों के लिए सौगात है, जो जीवन भर साथ चलने के वादे के साथ आगे बढ़ रहे हैं। ग्राहकों के लिए पोल्की, कुंदन, एंटीक, हीरे और सोने की ब्राइडल ज्वेलरी की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। आप इस उत्कृष्ट शिल्प कौशल को सेंको गोल्ड एंड डायमंड्स के स्टोर और उनकी वेबसाइट के माध्यम से खरीद सकते हैं। यह कलेक्शन हर बजट और पसंद को पूरा करता है, जिसकी शुरुआती कीमत 2,50,000 रुपए है।

श्रुत पंचमी पर्व के अवसर पर बच्चों ने शीश पर जिनवाणी रखकर निकाली शोभा यात्रा, मनाया जिनवाणी पर्व

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर राजस्थान एवं श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड़ रायपुर के सयुक्त तत्वाधान में आयोजित 7 दिवसीय श्रवण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर ट्रस्ट से नरेंद्र जैन मेनेजिग ट्रस्टी, अध्यक्ष यशवंत जैन, सचिव सुजित जैन, कोषाधक्ष्य दिलीप जैन ने बताया तृतीय दिन (श्रुत पंचमी) के पावन दिवस में छोटे छोटे बच्चो ने एक जुलूस के रुप में मां जिनवाणी को अपने शीश मे रखकर जैन ध्वजा के साथ जैन स्तम्भ कोतवाली चौक होते हुए वापस मंदिर पहुंचते ही आचार्य श्री का चित्र अनावरण व दीप प्रवज्लन ट्रस्ट कमेटी के पदाधिकारीयो ने किया, भगवान को पाडुक शीला में विराजित कर अभिषेक, शांतिधारा श्रीहर्षिल भावेश, मिठालाल जैन एवं श्री गिरीश, विशाल स्व.चिमन लाल जी जैन परिवार के द्वारा किया गया। तत्पश्चात धार्मिक कक्षाएं सागनेर राजस्थान से प्रशिक्षक विद्वान प.श्री पीयूषजी जैन भारिल्ल, प.श्री सौरभ जी जैन, प. श्री प्रियांशु जी जैन के द्वारा ली गई, सायकालीन आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में आज आचार्य कंठ पाठ श्री दिगम्बर जैन महिला मंडल श्री जैन युवा महासभा रायपुर, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप रायपुर के द्वारा विद्यासागर हॉल में किया जाएगा।

-लोकेश चंद्रकांत जैन

जमीनी स्तर पर मजबूत करें सूचना तंत्र, आपसी समन्वय सुदृढ़ हो : कलेक्टर डॉ. गौरव

किसी भी आपराधिक गतिविधि वाले सूचना पर गंभीरता से कारवाई की जाए, प्रशासन पुलिस समन्वय से सुशासन स्थापित करें : संतोष सिंह

कलेक्टर और एसपी ने ली कानून-व्यवस्था की बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह और एसपी श्री संतोष सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित सभाकक्ष में कानून व्यवस्था की बैठक ली। इस दौरान कलेक्टर ने पुलिस और प्रशासन को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। ग्रामीण एवं शहरी सभी क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि मैदानी स्तर पर पुलिस और प्रशासन के बीच समन्वय होना जरूरी है। चाहे तहसीलदार हो या थाना प्रभारी हो अपने अपने क्षेत्र में ज़मीनी स्तर पर पहुँच बनाओ साथ ही कड़ाई से अपराधियों पर नकेल कसी जाए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा किसी भी प्रकार की रैली या प्रदर्शन पर बराबर नज़र रखी जाए। दिन और रात में पुलिस व प्रशासन की मौजूदगी हर क्षेत्र में नजर आनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रशासन और पुलिस अमला संजीदगी से कार्य करे, हरेक घटना पर बारीकी से नजर रखें,घटना पर सावधानी पूर्वक और त्वरित कार्रवाई किया जाए । ला एंड ऑर्डर मेंटेन रहे और समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित हो सके।

एसएसपी श्री संतोष सिंह ने कहा कि प्रशासन और पुलिस को एकजुटता से कार्य करना होगा। जिले में अपराधियों पर गंभीरतापूर्वक कार्रवाई होनी चाहिए, विशेषकर क्राईसेस और लॉ एंड आर्डर के समय प्रशासन और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। अधिकारियों के व्यक्तिगत संबंध जनता से अच्छे होने चाहिए। इस तरह बेहतर समन्वय से लॉ एंड ऑर्डर स्थापित होगा।सूचना तंत्र मजबूत रखे,मैदानी अमला रूटीन के काम में एक दूसरे का सहयोग करे।

ज़िला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप ने कहा कि पंचायती क्षेत्रों में सरपंच, सचिव, कोटवार और रोज़गार सहायक स्तर पर नाम नंबर सहित जानकारी राजस्व एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों-कर्मचारियों के पास उपलब्ध रहें जिससे आवश्यकता पड़ने पर त्वरित रूप से संपर्क साधा जा सके। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री कीर्तिमान राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर सहित पुलिस और प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना : प्रदेश में 36 लाख से अधिक महिलाओं को मिली धुएं से मुक्ति

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना गरीब परिवार की महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का माध्यम बन रही है। देश के अन्य राज्यों की तरह ही छत्तीसगढ़ में भी बड़ी संख्या में गरीब परिवार की महिलाओं को नि:शुल्क रसोई गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं। राज्य में अब तक 36 लाख से अधिक महिलाओं को इस योजना का लाभ मिल चुका है।

एक समय ऐसा था जब उच्च और उच्च मध्यम परिवारों के घरों में रसोई गैस कनेक्शन होता था। गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए ऐसी सुविधा जुटाना एक सपने जैसा था। गरीब परिवारों की महिलाओं को परिवार संभालने की जिम्मेदारी के साथ-साथ असुविधाजनक ढ़ंग से लकड़ी या कोयले के माध्यम से चूल्हे में खाना पकाना पड़ता था। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश की गरीब महिलाओं की दिक्कतें को समझते हुए तथा उनके सशक्तिकरण के लिए इस योजना की शुरूआत 2016 में की।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में छत्तीसगढ़ में अबतक 36 लाख से अधिक गरीब परिवार की महिलाओं को नि:शुल्क रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं। रसोई गैस मिलने से किचन का वातावरण काफी सुविधाजनक हो गया है। महिलाओं को धुल धुएं से मुक्ति मिल गई है। खाना पकाने में उन्हें काफी कम समय लग रहा है। महिलाओं के समय में भी बचत हो रही है।

रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम भुइयांपानी निवासी विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर परिवारों के 60 वर्षीय नान्हीबाई ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि अब उन्हें जंगल जाना नहीं पड़ता। ना ही मजबूरी में खाना बनाने के लिए लकड़ी इकट्ठा करनी पड़ती हैं। जंगल से लकड़ी लाने में जंगली जानवरों का खौफ रहता था।

एम्स को म्यूकरमाइकोसिस पर अरोड़ा-नागरकर क्लासिफिकेशन का कॉपीराइट

दुनियाभर में ब्लैक फंगस के उपचार और परिणाम में मिलेगी मदद, कोविड-19 के दौरान एम्स ने 300 से अधिक रोगियों का किया था उपचार

रायपुर (विश्व परिवार)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान को म्यूकरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के उपचार प्रबंधन पर अरोड़ा-नागरकर वर्गीकरण का कॉपीराइट प्रदान किया गया है। यह वर्गीकरण ब्लैक फंगस के बेहतर उपचार और इसके परिणामों में दुनियाभर के ईएनटी विशेषज्ञों के लिए गाइड का कार्य करेगा। इससे रोगियों को ब्लैक फंगस के प्रथम चरण में ही और अधिक बेहतर चिकित्सा प्रबंधन प्राप्त होने की उम्मीद है। एम्स में यह वर्गीकरण देश के किसी सरकारी संस्थान में सबसे अधिक 300 से ज्यादा रोगियों के ब्लैक फंगस उपचार के आधार पर किया गया।

यह वर्गीकरण ईएनटी विभाग के प्रो. रिपुदमन अरोड़ा, पूर्व निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर, डॉ. आकाश अग्रवाल, प्रो. रेनू राजगुरु, डॉ. नील प्रभा सहित अन्य चिकित्सकों के शोध पर आधारित है। प्रो. अरोड़ा ने बताया कि इस वर्गीकरण की मदद से ईएनटी चिकित्सक ब्लैक फंगस के प्रकार, उपचार और संभावित परिणामों के बारे में पूर्वानुमान लगा सकेंगे। इससे रोगियों के उपचार प्रबंधन और उनके शीघ्र ठीक होने में काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में रोगियों के डेटा से कई अनुसंधान के बाद यह कॉपीराइट प्राप्त किया गया है।

कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए म्यूकरमाइकोसिस के उपचार प्रबंधन में शामिल विभिन्न विभागों ईएनटी, न्यूरोसर्जरी, मैक्सीलोफेशियल सर्जरी, मेडिसिन, रेडियोडायग्नोसिस, आथ्थलमोलॉजी सहित विभिन्न विभागों के चिकित्सकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि इन विभागों के संयुक्त प्रयासों से ही इतनी बड़ी संख्या में रोगियों को उपचार प्रदान किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. रेनू राजगुरु ने कहा है कि एम्स के ईएनटी विभाग ने म्यूकरमाइकोसिस के इलाज से न सिर्फ रोगियों को राहत प्रदान की बल्कि 10 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित कर इसके उपचार में अमूल्य योगदान प्रदान किया। इनकी मदद से दुनियाभर के चिकित्सकों को ब्लैक फंगस के इलाज में नई जानकारियां प्राप्त हो सकेंगी। ब्लैकफंगस के उपचार में प्रो. नागरकर, प्रो. अरोड़ा के साथ डॉ. रूपा मेहता, डॉ. सतीश सतपुते और डॉ. शर्मिष्ठा चक्रवर्ती का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354